हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक–267 : जौनपुर, शुक्रवार 30 जून 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

पिछले छह साल में प्रदेश के 54 लाख गरीबों को अपना मकान मिला है : योगी आदित्यनाथ

संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को यहां कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अनुकंपा से पिछले छह साल में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत राज्य के 54 लाख गरीबों को अपना मकान मिला है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को यहां कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अनुकंपा से पिछले छह साल में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत राज्य के 54 लाख गरीबों को अपना मकान मिला है। माफिया अतीक अहमद के कब्जे से मुक्त कराई गई जमीन पर बने 76 मकानोंध्फ्लैट के चाबी वितरण और 768 करोड़ रुपये की 226 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा आज से छह साल पहले तक इस योजना के तहत एक भी गरीब को आवास नहीं मिलता था।पूर्ववर्ती सपा और बसपा सरकारों पर निशाना साधते हुए योगी ने कहा, ''उस वक्त गरीबों को आवास इसलिए नहीं मिलता था क्योंकि प्रदेश की मौजूदा सरकार गरीबों के बारे में नहीं सोचना चाहती थी। केन्द्र की सरकार आवास देने के लिए पत्र लिखती थी, लेकिन प्रदेश सरकार

आवास नहीं लेना चाहती थी।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''अभी तो केशव जी (उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य) का खजाना खुलने वाला है जहां से 10 लाख आवास निकलने वाले हैं।'' उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले जब गरीबों की जमीन को माफिया के कब्जे से मुक्त कराने की बात आती थी तो, वे माफिया के साथ खड़े रहते थे।उन्होंने कहा, "मैं सभी विकास प्राधिकरणों से माफियाओं से मुक्त कराई गई जमीनों पर गरीबों के लिए आवास बनाने को कहूंगा ताकि गरीबों को आशियाना मिल सके और सरकार में उनका विश्वास बढ़े।" लखनऊ में आयोजित 'ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट' की चर्चा करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा, "इसमें 36 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। अगर ये माफिया होते तो हमारे पास एक कौड़ी का भी निवेश नहीं आता। इस निवेश से एक करोड़ लोगों को नौकरी मिलेगी।" वहीं, लोकसभा चुनाव 2024 के संदर्भ में उन्होंने जनता से कहा, "यह ऐसा समय है कि हम किसी के बहकावे में ना आएं। यह देश नारों से नहीं चलेगा, बल्कि जमीनी हकीकत से चलेगा। जमीनी हकीकत यह है कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने (काम) करके दिखाया है। जनता जनार्दन का आशीर्वाद आगे भी मिलता रहेगा, ऐसी कामना है।"उप मुख्यमंत्री मौर्य के सुझाव पर मुख्यमंत्री ने प्रयागराज विकास प्राधिकरण और जिला प्रशासन को प्रयागराज में 10,000 लोगों के बैठने की क्षमता वाले एक कनवेंशन सेंटर का डीपीआर तैयार करने का निर्देश दिया। कार्यक्रम को उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, मंत्री नंद गोपाल गुप्ता, सांसद रीता बहुगुणा जोशी, सांसद केशरी देवी पटेल, शहर पश्चिमी विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह और महापौर गणेश केसरवानी ने भी संबोधित किया।

दिल्ली में अफसरों की ट्रांसफर पोस्टिंग पर केंद्र के अध्यादेश को चुनौती

नई दिल्ली। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में अधिकारियों के ट्रांसफर पोस्टिंग पर केंद्र के अध्यादेश को लेकर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट का रुख किया।दिल्ली की आम आमदी पार्टी अफसरों की ट्रांसफर पोस्टिंग पर केंद्र सरकार के अध्यादेश को चुनौती देने सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में अधिकारियों के ट्रांसफर पोस्टिंग पर केंद्र के अध्यादेश को लेकर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। केंद्र सरकार ने बीते महीने दिल्ली में ग्रुप ए अधिकारियों के ट्रांसफर और उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए राष्ट्रीय राजधानी लोक सेवा प्राधिकरण गठित करने के उद्देश्य से एक अध्यादेश जारी किया था। जिसका केजरीवाल सरकार विरोध कर रही है। इससे पहले आम आदमी पार्टी (आप) केंद्र सरकार के दिल्ली अध्यादेश की प्रतियां जलाकर उसके खिलाफ 3 जुलाई से चरणबद्ध अभियान चलाने का ऐलान किया है।

राहुल के मणिपुर दौरे पर खड़गे बोले, जब अमित शाह जा सकते हैं तो विपक्ष के लोग वहां क्यों नहीं जा सकते?

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भाजपा पर पलटवार करते हुए कहा कि वे (बीजेपी) हमेशा ईर्ष्या से बात करते हैं। यदि कोई कांग्रेस नेता वहां (मणिपुर) जाकर लोगों की कठिनाइयों को समझने की कोशिश करता है, तो वे इसे नाटक कहते हैं। उन्होंने कहा कि यह आपकी तानाशाह वाली मानसिकता दिखाता है।कांग्रेस नेता राहुल गांधी की मणिपुर यात्रा को लेकर राजनीति तेज है। भाजपा राहुल गांधी पर हमलावर है। कांग्रेस की ओर से पलटवार किया जा रहा है। दरअसल, राहुल गांधी जातीय हिंसा से प्रभावित मणिपुर में राहत शिविरों के दौरे को लेकर बृहस्पतिवार को कई नाटकीय घटनाक्रम देखने को मिला। उनके काफिले को पुलिस ने बीच रास्ते में ही रोक दिया था। इसी के बाद कांग्रेस सरकार पर आरोप लगा रही है। कांग्रेस का साफ तौर पर कहना है कि भाजपा को राहुल गांधी से जलन है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भाजपा पर पलटवार करते हुए कहा कि वे (बीजेपी) हमेशा ईर्ष्या से बात करते हैं। यदि कोई कांग्रेस नेता वहां (मणिपुर) जाकर लोगों की कठिनाइयों को समझने की कोशिश करता है, तो वे इसे नाटक कहते हैं। उन्होंने कहा कि यह आपकी तानाशाह वाली मानसिकता दिखाता है। वह विपक्ष को देश में सहन नहीं कर सकते। ऐसे विचारधारा वाले लोगों की निंदा करता हूं। खड़गे ने कहा कि जब अमित शाह जा सकते हैं तो विपक्ष के लोग वहां क्यों नहीं जा सकते? अगर वे (राहुल गांधी) गए तो ड्रामा, आप गए तो क्या? महाड्रामा? आपको उनकी यात्रा के बारे में 4 दिन पहले ही पता था, तो आपने उनको सुरक्षा पहले क्यों नहीं दी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के मणिपुर दौरे पर बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य में स्थिति करुणा के जरिए मतभेदों को दूर करने की मांग करती है, न कि किसी नेता के दौरे से मतभेद बढ़ाने की। शर्मा ने कहा कि गांधी के मणिपुर दौरे को मीडिया ने बढ़ा–चढ़ाकर पेश किया है और इस वक्त किसी को पूर्वोत्तर राज्य की ''दुखद'' स्थिति से राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा

कि हमें मीडिया के माध्यम से पता चला है कि राहुल गांधी मणिपुर का दौरा कर रहे हैं। जिद से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है संवेदनशीलता है। हम एक लोकतांत्रिक देश हैं और इसलिए उन्हें मणिपुर जाने से किसी ने नहीं रोका। हालांकि, मणिपुर प्रशासन ने बताया कि राहुल के दौरे की खबर सामने आने के बाद से उनके मणिपुर दौरे पर कई बार विरोध प्रदर्शन हुआ है।

दिग्विजय सिंह की इस आदत के कायल हुए नितिन गडकरी

एजेंसी

नई दिल्ली। गडकरी और दिग्विजय सिंह गुरुवार को पुणे के पास पिंपरी चिंचवाड़ में दिवंगत कांग्रेस नेता रामकृष्ण मोरे पर एक किताब का विमोचन करने के लिए एक साथ आए थे। इस दौरान

दिग्विजय सिंह की गडकरी ने खुले मंच से तारीफ कर दी।पुणे में एक दुर्लभ राजनीतिक परिदृश्य देखने को मिला जब शीर्ष भाजपा और कांग्रेस नेताओं ने एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में मंच साझा किया। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह पुणे शहर के पास एक पुस्तक विमोचन समारोह में शामिल हुए। गडकरी और दिग्विजय सिंह गुरुवार को पुणे के पास पिंपरी चिंचवाड़ में दिवंगत कांग्रेस नेता रामकृष्ण मोरे पर एक किताब का विमोचन करने के लिए एक साथ आए थे। इस दौरान दिग्विजय सिंह की गडकरी ने खुले मंच से तारीफ कर दी। अपने भाषण के दौरान, गडकरी ने आषाढ़ी एकादशी पर पंढरपुर की वार्षिक तीर्थयात्रा के लिए दिग्विजय सिंह की प्रशंसा की, जो गुरुवार को मनाई गई थी। सिंह हर साल आषाढ़ी एकादशी पर भगवान की पूजा करने के लिए पंढरपुर जाते हैं, जहां सोलापुर जिले में भगवान विठ्ठल और देवी रुक्मिणी का प्रसिद्ध मंदिर है। दिग्विजय सिंह की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि मैं उस तरह का साहस (चलने के लिए) नहीं जुटा पाऊंगा, हालांकि मैं आपसे छोटा हूं। लेकिन आप (तीर्थ यात्रा के दौरान) इतना पैदल चलते हैं... मैं आपको बधाई देता हूं और धन्यवाद देता हूं। सिंह ने जवाब देते हुए कहा कि गडकरी को भी इसे आजमाना चाहिए ताकि वह नियमित रूप से इसमें भाग लेना शुरू कर दें।गडकरी ने 2018 में दिग्विजय सिंह के खिलाफ मानहानि का मामला वापस ले लिया था, क्योंकि बाद में उन्होंने अपने बयान पर खेद व्यक्त किया था। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट में केस वापसी के लिए संयुक्त याचिका दायर की गई थी। कोयला ब्लॉक आवंटन में कथित अनियमितताओं में उनका नाम घसीटने के आरोप में गडकरी ने 2012 में सिंह के खिलाफ मानहानि का मामला दायर किया था। भाजपा नेता ने तब मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री पर कोयला ब्लॉक आवंटन पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट से लोगों का ध्यान हटाने की कोशिश करने का आरोप लगाया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि गडकरी के एक व्यापारिक साझेदार ने छत्तीसगढ़ में कोयले खदानें से 490 करोड़ रुपये का लाभ कमाया।

राजनीति विज्ञान की डिग्री ने संवेदनशीलता नहीं सिखाई, मणिपुर की स्थिति को लेकर पीएम मोदी पर जयराम रमेश ने साधा निशाना

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री की यात्रा के विकल्प ने कई लोगों का ध्यान आकर्षित किया और पीएम के इस मूव की प्रशंसा भी गई। वहीं वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने इसकी आलोचना भी करते हुए प्रधानमंत्री पर मणिपुर की स्थिति के प्रति असंवेदनशीलता का आरोप लगाया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 30 जून को दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह में उल्लेखनीय प्रवेश किया और परिवहन के अपने पसंदीदा साधन के रूप में मेट्रो की सवारी को चुना। जहां प्रधानमंत्री की यात्रा के विकल्प ने कई लोगों का ध्यान आकर्षित किया और पीएम के इस मूव की प्रशंसा भी गई। वहीं वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने इसकी आलोचना भी करते हुए प्रधानमंत्री पर मणिपुर की स्थिति के प्रति असंवेदनशीलता का आरोप लगाया। अपनी बेबाक टिप्पणियों के लिए जाने जाने वाले जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री की मेट्रो यात्रा पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए ट्विटर का सहारा लिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के पास उस विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह में भाग लेने के लिए मेट्रो में यात्रा करने का समय और झुकाव है, जिसने उन्हें श्संपूर्ण राजनीति विज्ञानश में एमए की डिग्री दी।

बीते 9 साल में हम ब्रिटेन को पछाड़ पांचवें नंबर की अर्थव्यवस्था बन गए हैं : जेपी नड्डा

कांग्रेस ने तीनों लोक में किए घोटाले

एजेंसी

नई दिल्ली। अपने बयान में उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में कमलनाथ की सरकार आई तो उन्होंने विकास की गंगा को अवरुद्ध किया। उस अवरुद्ध के बाद जब दोबारा शिवराज सिंह चौहान ने शासन संभाला उन्होंने विकास की गंगा को फिर से बढ़ाया।भाजपा चुनावी राज्यों पर फोकस कर रही है। मध्य प्रदेश में साल के आखिर में विधानसभा के चुनाव होने है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा आज मध्य प्रदेश के खरगोन पहुंचे हैं। मध्य प्रदेश के खरगोन में उन्होंने एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। नड्डा ने कहा कि मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार ने विकास का काम किया है। उन्होंने कांग्रेस पर विकास के कामों में अड़ंगा लगाने का भी आरोप लगाया है। अपने बयान में उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में कमलनाथ की सरकार आई तो उन्होंने विकास की गंगा को अवरुद्ध किया। उस अवरुद्ध के बाद जब दोबारा शिवराज सिंह चौहान ने शासन संभाला उन्होंने विकास की गंगा को फिर से बढ़ाया। जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में

सिर्फ सरकार ही नहीं बदली, हम सिर्फ विकास की तरफ ही नहीं बढ़े बल्कि उन्होंने भारत की राजनीति की संस्कृति, कार्य करने का तरीका बदल दिया और नई संस्कृति पैदा की। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में बीते 9 साल में हाइवे बनाने के लिए 27 हजार करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। इंदौर और भोपाल में बन रही नई मेट्रो लाइंस के काम को भी आगे बढ़ाया जा रहा है। देवास में ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा बनाए जाने का भी प्रस्ताव है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि हमारी दोनों सरकारें यानी मोदी जी की और शिवराज सिंह चौहान जी की सरकारें श्चतव तम. `चवदेपअमश सरकारें हैं... ये श्चतव `बजपअमश सरकार हैं। उन्होंने कहा कि 9 साल पहले भ्रष्टाचारी देशों में भारत का नाम आता था, 2ळ घोटाला, कोल घोटाला, हेलीकॉप्टर घोटाला, कॉमनवेल्थ गेम्स में घोटाला ... कांग्रेस ने तीनों लोक में घोटाले किए। लेकिन अब 9 सालों के बाद हम ब्रिटेन को पछाड़ कर पांचवें नंबर की अर्थव्यवस्था बन गए हैं। उन्होंने कहा कि आज ये विपक्ष और कांग्रेस के लोग... कोई मोदी जी को नीच कह रहा है, कोई अनपढ़ कह रहा है, कोई सांप कह रहा है, कोई बिच्छू कह रहा है, कोई चाय वाला कह रहा है। ये भूल जाते हैं कि देश की 140 करोड़ जनता मोदी जी के साथ खड़ी है और मोदी जी को आगे बढ़ने का काम कर रही है।कांग्रेस नेता और पूर्व सीएम कमलनाथ पर निशाना साधते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि मध्य प्रदेश में कमलनाथ की सरकार आई तो उन्होंने विकास की गंगा को अविरुद्ध किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने 9 साल में 14 मेडिकल कॉलेज खोले हैं। डबल इंजन की सरकार विकास की दृष्टि से कितना काम कर रही है ये आप सभी जानते ही हैं। कमलनाथ ने लाड़ली योजना रोक दी थी अब आप नवंबर में कमलनाथ जी को रोक दीजिए...इन्हें घर पर बिठा दीजिए। उन्होंने कहा कि करगिल का चौप्टर कमलनाथ की सरकार ने बच्चों के सिलेबस से निकल दिया था... इस तरह का काम कमलनाथ ने अपने कार्यकाल में किया था। ये हमारी सेना का अपमान है और अब नवंबर में आपको कमलनाथ का ही चौप्टर गायब कर देना है।

सत्ता के प्रति भाजपा की लालसा को उजागर करने के लिए कुछ चीजें की गईं

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और सत्ता के प्रति उसकी लालसा को उजागर करने के लिए 2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद कुछ चीजें की गईं। राकांपा प्रमुख भाजपा नेता देवेन्द्र फडणवीस के इस दावे के बारे में संवाददाताओं के सवालों का जवाब दे रहे थे कि पवार 2019 में भाजपा के साथ सरकार बनाने के लिए सहमत हो गए थे लेकिन आखिरी क्षण में वह पीछे हट गए। पवार के ताजा बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए फडणवीस ने कहा कि उन्हें प्रसन्नता है कि राकांपा प्रमुख ने अंततरू सच्चाई स्वीकार कर ली , और आगे इस तरह के और भी खुलासे होंगे। पवार ने यहां कहा कि यह सच है कि भाजपा नेताओं ने राकांपा नेतृत्व से मुलाकात की थी और कई विषयों पर चर्चा की थी।राकांपा नेता ने

कहा, लेकिन उन्होंने (फडणवीस ने) खुद ही कल ऐसा कहा कि मैंने दो दिन पहले (शपथ ग्रहण से) फैसला (भाजपा के गठबंधन करने का) बदल दिया... अगर मैंने फैसला बदल दिया था तो फिर आगे बढ़कर शपथ लेने का क्या कारण था? और वह भी इतनी सावधानी से सुबह। पवार ने कहा, अगर उन्हें (फडणवीस और अजित पवार) राकांपा का समर्थन था तो सरकार नहीं बचती? सरकार गिर गई और उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। राकांपा प्रमुख ने रहस्यमय अंदाज में कहा, जनता के सामने यह पर्दाफाश करने के लिए (उस समय) कुछ चीजें की गईं कि वे (भाजपा) सत्ता के लिए किस हद तक जा सकते हैं... यह सामने लाने की जरूरत थी कि वे सत्ता के बिना नहीं रह सकते। पवार ने कहा कि उनके ससुर (टेस्ट खिलाड़ी सादु शिंदे) गुगली गेंदबाज थे और वह खुद (पवार) आईसीसी के अध्यक्ष रह चुके हैं। उन्होंने कहा, ''इसलिए क्रिकेट खेले बिना भी मुझे पता है कि कहां और कब गुगली गेंद फेंकनी है।पवार ने कहा कि अनावश्यक बयानबाजी के बदले, फडणवीस को राज्य में महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने पर ध्यान देना चाहिए। उपमुख्यमंत्री फडणवीस राज्य के गृह मंत्री भी हैं। उन्होंने हाल ही में एक टेलीविजन चौनल को दिए साक्षात्कार में दावा किया था कि पवार 2019 में भाजपा के साथ सरकार बनाने के लिए सहमत हुए थे। लेकिन फिर तीन–चार दिनों के बाद वह पीछे हट गए। फडणवीस ने बृहस्पतिवार को संवाददाताओं से कहा कि उन्हें बहुत खुशी है कि आखिरकार पवार को सच बताना पड़ा।

राहुल गांधी मणिपुर की राज्यपाल अनुसुइया उइके से मिले, समाज के सभी वर्गों से शांति की अपील की

एजेंसी

इंफाल। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मणिपुर की राज्यपाल अनुसुइया उइके से मुलाकात करने के बाद हिंसाग्रस्त राज्य में शांति के लिए समाज के सभी वर्गों से शुक्रवार को अपील की और कहा कि हिंसा कोई समाधान नहीं है।कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मणिपुर की राज्यपाल अनुसुइया उइके से मुलाकात करने के बाद हिंसाग्रस्त राज्य में शांति के लिए समाज के सभी वर्गों से शुक्रवार को अपील की और कहा कि हिंसा कोई समाधान नहीं है। उन्होंने मणिपुर की घटनाओं को एक त्रासदी बताया जो राज्य और देश के लिए ''दर्दनाक'' है। गांधी ने राजभवन के बाहर पत्रकारों से कहा, ''शांति के लिए जो भी जरूरी होगा, मैं उसके लिए तैयार हूं। मैं सभी लोगों से शांति कायम करने की अपील करता हूं क्योंकि हिंसा से कभी कोई हल नहीं निकल सकता।''उन्होंने कहा, ''शांति ही आगे बढ़ने का रास्ता है और हर किसी को अब शांति के बारे में बात करनी चाहिए और उसकी ओर बढ़ना शुरू करना चाहिए। इस राज्य में शांति का माहौल कायम करने के लिए मैं हर संभव मदद करूंगा।'' गांधी ने कहा, ''मैं मणिपुर के लोगों का दर्द साझा करता हूं। यह एक भयानक त्रासदी है। यह मणिपुर और देश के लोगों के लिए बेहद दुखद और दर्दनाक है।'' उन्होंने इंफाल, चुराचांदपुर और मोइरांग में विभिन्न राहत शिविरों के अपने दौरों और सभी समुदायों के लोगों के साथ अपनी बैठकों के बारे में बताया। गांधी ने पत्रकारों से कहा, ''एक बात जो मैं सरकार से कहना चाहूंगा, वह यह है कि शिविरों में बुनियादी सुविधाओं में सुधार की जरूरत है। भोजन में सुधार की जरूरत है।दवाओं की आपूर्ति की जानी चाहिए। शिविरों से इस संबंध में शिकायतें आई हैं।'' कांग्रेस के सूत्रों ने बताया कि राज्यपाल ने आश्वासन दिया कि जातीय हिंसा से प्रभावित राज्य में शांति बहाल करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। इससे पहले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने शुक्रवार को नागरिक समाज संगठन के सदस्यों से मुलाकात की और उनकी परेशानियां सुनीं। गांधी ने नागरिक समाज संगठन 'कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑन मणिपुर इंटीग्रिटी' (सीओसीओएमआई), मणिपुर में नागा समुदाय की शीर्ष संस्था 'यूनाइटेड नागा काउंसिल', 'शेड्यूल्ड ट्राइब डिमांड कमेटी' के प्रतिनिधियों और जेएनयू के प्रोफेसर बिमोल ए. सहित प्रमुख हस्तियों से मुलाकात की। कांग्रेस नेता ने सुबह मोइरांग शहर में दो राहत शिविरों में जाकर प्रभावित लोगों से मुलाकात की और उनकी व्यथा सुनी थी।गांधी सुबह इंफाल से हेलीकॉप्टर में सवार होकर मोइरांग पहुंचे थे।राहुल गांधी के साथ मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री ओकराम इबोबी सिंह, पार्टी महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल, कांग्रेस की मणिपुर इकाई के अध्यक्ष कीशम मेघचंद्र सिंह और पूर्व सांसद अजय कुमार थे। मोइरांग में आईएनए (आजाद हिन्द फौज) ने 1944 में भारतीय तिरंगा फहराया था।

सम्पादकीय

अभी तो कुहेलिका है

अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा को केंद्र की सत्ता से हटाने के लिए पिछले शुक्रवार को पटना में आयोजित विपक्षी नेताओं की बैठक से अगर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के अपवाद को छोड़ दिया जाए तो यह संदेश गया है कि विपक्ष एकजुट होने के मामले में गभीर है।लेकिन चुनाव की दृष्टि से विपक्षी एकता का स्वरूप क्या होगा, यह तो अगली बैठकों में तय होगा। फिर भी यह तो कहा ही जा सकता है कि पटना की बैठक विपक्षी एकता की शुरुआत है।लेकिन इस संभावित एकता को राजनीतिक, वैचारिक और व्यावहारिक चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। विपक्षी राजनीतिक दलों के नेता जिन ज्वलंत मुद्दों को लेकर भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर प्रहार करता रहा है, कम से कम उन मुद्दों पर उन्हें अपनी नीतियों को स्पष्ट करना होगा।अर्थात विपक्ष बेरोजगारी और महंगाई को लेकर प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों की कटु आलोचना करता रहा है। इस मसले पर विपक्ष को यह बताना होगा कि बेरोजगारी दूर करने के लिए उसके पास कौन–कौन सी योजनाएं हैं? अगर विपक्ष सत्ता में आता है तो रोजगार बढ़ाने के लिए उसके पास किस तरह की योजनाएं हैं?विदेशी निवेश बढ़ाने के लिए उनकी नीतियां क्या होंगी? ठीक उसी तरह से देश में महंगाई बढ़ रही है ,पेट्रोल, डीजल और घरेलू गैस सिलेंडर के दाम जिन कारणों से बढ़ रहे हैं, उन पर विपक्ष किस तरह नियंत्रण करेगा? विदेश नीति के मोर्चे पर उनकी क्या नीतियां होंगी और चीन की विस्तारवादी नीतियों पर अंकुश लगाने के लिए आखिर वे क्या करेंगे? कांग्रेस सहित लगभग सभी विपक्षी दलों के नेता भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी पर देश को सांप्रदायिक आधार पर बांटने का आरोप लगाते रहते हैं।इस पर अहम सवाल है कि क्या मुस्लिम तुष्टीकरण से ही सांप्रदायिक विभाजन दूर होगा? इससे भी बड़ा सवाल है कि क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी दलों के नीतिगत मतभेद दूर कैसे होंगे? सबसे बड़ा सवाल तो यह भी है कि विपक्ष की इस बारात का दुल्हा कौन होगा?हालांकि राजद नेता लालू यादव ने मजाक में ही राहुल गांधी की ओर इशारा किया। इस मजाक में भी एक संदेश था, लेकिन क्या समूचा विपक्ष राहुल गांधी को अपनी बारात का दुल्हा मानने के लिए तैयार है? इन सभी सवालों पर अभी तक विपक्ष ने कोई स्पष्ट नीति नहीं रखी है। उसके रुख से लगता है कि शिमला बैठक के बाद ही गठबंधन का कोई ठोस स्वरूप उभर कर आएगा। फिलहाल यही है कि साथ लडने पर वे सहमत हैं।

भाजपा ने समान नागरिक संहिता के लिए जो तैयारियां की हैं उसे जानकर चौंक जायेगा विपक्ष

अजय कुमार

राम मंदिर निर्माण शुरू होने और धारा 370 खत्म होने के बाद अब बीजेपी समान नागरिक संहिता और जनसंख्या नियंत्रण कानून के जरिए 2024 का चुनावी किला फतह करने की रणनीति पर काम कर रही है। समान नागरिक संहिता को लेकर बीजेपी ने बड़ी रणनीति बनाई है।चुनावी वर्ष में समान नागरिक संहिता यानी यूसीसी का जो राग मोदी सरकार ने छेड़ा है, उस पर विवाद होना लाजमी था। बात टाइमिंग की कि जाए तो यह साफ है कि बीजेपी 2024 के चुनाव में इसे बड़ा मुद्दा बनाना चाहती है। समान नागरिक संहिता के सहारे बीजेपी हिंदू वोटों का ध्रुवीकरण कराने का प्रयास कर रही है। वहीं मुस्लिम महिलाओं को भी संपत्ति में अधिकार और बहु विवाह प्रथा से मुक्ति दिलाने का वायदा करके उनको अपने साथ लाने को प्रयासरत है।

राम मंदिर निर्माण शुरू होने और धारा 370 खत्म होने के बाद अब बीजेपी समान नागरिक संहिता और जनसंख्या नियंत्रण कानून के जरिए 2024 का चुनावी किला फतह करने की रणनीति पर काम कर रही है। समान नागरिक संहिता को लेकर बीजेपी ने बड़ी रणनीति बनाई है। बीजेपी की कोशिश है कि 2024 के पहले समान नागरिक संहिता और जनसंख्या नियंत्रण कानून पर देश भर में बहस शुरू हो जाए और ये बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन जाए। आगामी मानसून सत्र में भी यूसीसी को लेकर हंगामा होने के प्रबल आसार हैं। संभवतः बीजेपी की रणनीति का यह हिस्सा है क्योंकि बीजेपी अब इन दोनों मुद्दों पर संसद से लेकर सड़क तक की रणनीति पर काम करती हुई नजर आ रही है।

समान नागरिक संहिता को अमली जामा पहनाने के लिए बीजेपी ने तीन स्तर की तैयारी की है। पार्टी सूत्रों की मानें तो संसद में अपने सांसदों के जरिए इस मुद्दे को उठवा कर विपक्ष के रुख का बीजेपी टेस्ट करायेगी। इससे पता चलेगा कि विपक्ष विरोध के लिए एकजुट हो पा रहा है या नहीं। साथ ही यह भी जाना जा सके कि विपक्ष किस हद तक इन मुद्दों का विरोध कर रहा है। लोकसभा और राज्यसभा में बीजेपी ने पिछले सत्रों में अपने ऐसे सांसदों से इस मुद्दे पर प्राइवेट मेंबर बिल पेश करवाया जो बहुत हाई प्रोफाइल नहीं हैं। लोकसभा में निशिकांत दुबे और रवि किशन ने जनसंख्या नियंत्रण कानून का मुद्दा उठाया तो राज्यसभा में राजस्थान के बीजेपी नेता किरोड़ी लाल मीणा ने समान नागरिक संहिता पर प्राइवेट मेंबर बिल पेश किया था। अभी बीजेपी के कई और सांसद यूसीसी और जनसंख्या नियंत्रण के मुद्दे को सदन में उठाएंगे।

बताया जा रहा है कि देशभर के सभी राज्यों में संघ के अलग–अलग संगठनों के साथ मिलकर बीजेपी के कार्यकर्ता सभी जिलों में कलेक्टर को प्रधानमंत्री के नाम का ज्ञापन सौंपकर समान नागरिक संहिता की मांग करेंगे। इसके लिए बीजेपी हस्ताक्षर अभियान भी चलाएगी, जिसमें वह विश्व हिंदू परिषद और दूसरे हिंदू संगठनों का भी सहयोग लेगी। पार्टी सूत्रों का कहना है कि इस मुद्दे पर बीजेपी ने 100 करोड़ हस्ताक्षर कराने का भी लक्ष्य तय किया है, जिससे ये साबित किया जा सके कि पूरा देश समान नागरिक संहिता की मांग कर रहा है।

मौसम में अप्रत्याशित बदलाव से मौसम वैज्ञानिक भी हैरान

मौसम की आंखमिचौली से हर कोई हैरान है। देश के कुछेक हिस्सों में जहां प्रचंड गर्मी से लोग परेशान हैं वहीं मूसलाधार बारिश के चलते पूर्वोत्तर के इलाकों में बाढ़ की दुरियां हैं।एक खबर यह भी है कि करीब 62 साल बाद आर्थिक राजधानी मुंबई और राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एकसाथ मानसून सक्रिय हुआ है। यानी इन दो जगहों पर बारिश एक साथ हो रही है। आमतौर पर मुंबई में मानसून दिल्ली के मुकाबले 15 दिन पहले आ जाता है। ज्ञातव्य है कि इससे पहले 21 जून, 1961 को दिल्ली और मुंबई में एकसाथ मानसून पहुंचा था।बहरहाल, मौसम के बदलते स्वरूप के चलते उत्तर भारत में जहां सूर्य की तपिश से आमजन परेशान है वहीं पहाड़ी इलाकों में भारी बरसात के कारण हालात काफी भयावह हैं। बिहार और उत्तर प्रदेश में 100 से ज्यादा लोग लू लगने से मारे गए तो वहीं पहाड़ी राज्यों–हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में बादल फटने से हालात काफी खराब हो चले हैं। वहीं असम में बाढ़ से स्थिति बदतर है। राज्य में 61 राहत शिविरों में करीब 50 हजार से ज्यादा लोग शरण लिये हुए हैं। हाल के वर्षो में मौसम में अप्रत्याशित बदलाव से मौसम वैज्ञानिक भी हैरान हैं। ऐसा कम ही बार देखा और महसूस किया गया कि मानूसन किसी खास इलाकों में काफी सक्रिय है तो कहीं हालात सूखे जैसे हैं। दरअसल, प्रकृति के साथ हमने जिस कदर खिलवाड़ किया हैय यह सब उसी का नतीजा है। न तो हमने नदियों को तरीके से रखा और न पहाड़ों में उसके मूल स्वरूप में छोड़ा। प्रकृति के इन दो प्रमुख किरदार की हमने इज्जत नहीं की। यही कारण है कि कभी पहाड़ में प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखाती है तो कभी मैदानी इलाकों में नदियां विकराल रूप धारण करती हैं।नदियों की साफ–सफाई पर तो किसी का भी ध्यान नहीं है। कागजों पर सिर्फ योजनाओं को उकेरा जाता है।

इस उपलब्धि से ईर्ष्या क्यों है पाकिस्तान को

आचार्य पवन त्रिपाठी

60 की उम्र पार कर चुके लोगों के जेहन में 1971 की कुछ यादें अभी भी ताजा होंगी। जब रोज सुबह आनेवाले अखबारों में खबरें छपती थीं कि पाकिस्तान के समर्थन में अमेरिका का सातवां बेड़ा निकल चुका है, या यहां–वहां पहुंच गया है।

आज उसी अमेरिका की संसद में भारतीय प्रधानमंत्री के लगभग एक घंटे के भाषण पर 79 बार तालियां बजना और 15 बार स्टैंडिंग ओवेशन मिलना आश्चर्यजनक नहीं है क्या? है। दुनिया मान भी रही है। लेकिन भारत के कुछ लोग यह मानने को तैयार नहीं हैं।

आज के युग में दुनिया के किसी भी देश के लिए विदेश नीति के मोर्चे सफल होना सबसे बड़ी जरूरत होती है। इसी से उसकी आर्थिक–सामाजिक प्रगति जुड़ी होती है। विदेश नीति कोई एक दिन में परवान चढनेवाली चीज नहीं होती। इसके लिए कई मोर्चों पर सतत प्रयास करने पड़ते हैं। अलग–अलग देशों के साथ बड़ी सावधानी से कदम बढ़ाने पड़ते हैं। खासतौर से तब जब रूस–यूक्रेन युद्ध जैसी स्थिति चल रही हो। ऐसे में आप रूस से कच्चा तेल भी खरीद रहे हों, यूक्रेन से बात भी कर रहे हों, और अमेरिका की संसद में तालियां बटोरकर स्टैंडिंग ओवेशन भी ले रहे हों, तो यह आश्चर्यजनक नहीं लगता क्या? ये आश्चर्यजनक उन्हीं को नहीं लगता, जिनकी आंखों पर मोदी विरोध की पट्टी बंधी हुई हो। भारत जैसा दुनिया की सबसे बड़ी आबादी का देश आज तब तक प्रगति नहीं कर सकता, जब तक कि उसे साधनों–संसाधनों के मोर्चे पर अन्य सक्षम देशों से तकनीकी मदद न मिल पाए। ये मदद कोई यों ही तो नहीं कर देता।

विदेश नीति सीधा लेन–देन का विषय है। सामनेवाले को हम ताकतवर दिखाई देंगे, तो ही वह हमसे हाथ मिलाने को तैयार होगा। वरना मेहरबानी का लाल गेहूं तो 1960 में भी अमेरिका से हम पाते ही रहे हैं। आज हाथ मिलाना तो बहुत पीछे छूट चुका है। अब तो पैर छुए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री की सलाह पर सिडनी में लखनऊ की चाट और जयपुर की जलेबियां खाई जा रही हैं, और अमेरिकी संसद में उनके भाषण पर तालियां पीटी जा रही हैं, ऑटोग्राफ लिए जा रहे हैं। आज हम इस स्थिति में पहुंचे हैं, तभी भारत और अमेरिका एक साथ मिलकर पाकिस्तान को आतंकी गतिविधियां रोकने के लिए सख्त हिदायत देने की स्थिति में आ सके हैं।

याद है, कुछ वर्ष पहले हुआ अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा का भारत दौरा। मुंबई के सेंट जेवियर्स कॉलेज में प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान ओबामा से पाकिस्तानी आतंकवाद के बारे में बार–बार कोई टिप्पणी करवाने की कोशिश पर भी ओबामा ने पाकिस्तान के विरोध में एक शब्द नहीं बोला था। यहां तक कि 2021 में हुई मोदी और बाइडन की पहली द्विपक्षीय वार्ता के बाद जारी संयुक्त बयान में भी पाकिस्तान का नाम नहीं लिया गया था। लेकिन गुरुवार को जारी संयुक्त बयान में पाकिस्तान का सीधे तौर पर नाम लिया गया। भारत–अमेरिका के इस बदले हुए साझा रुख से पाकिस्तान की शहबाज सरकार की नींद उड़ गई है। दोनों नेताओं ने सीमा पर आतंकवाद की कड़े शब्दों में निंदा की है, और पाकिस्तान से साफ कहा है कि वह सुनिश्चित करे कि उसकी जमीन का इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों के लिए न हो। भारत–अमेरिका की इस दोस्ती ने विश्व मंच पर पाकिस्तान को अप्रासंगिक बना दिया है।

भारत–अमेरिका की इस शिखर वार्ता में चीन का खुलकर नाम भले न लिया गया हो, लेकिन संयुक्त बयान में कई ऐसे तथ्यों की ओर इशारा किया गया है, जो चीन की ओर ही इशारा करते हैं। बात रक्षा क्षेत्र में खरीदारी की हो, या संयुक्त राष्ट्र की कार्यप्रणाली में सुधार की, हर मोर्चे पर भारत को सफलता मिल रही है, और वह साफगोई के साथ आगे बढ़ता दिखाई दे रहा है। अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक (जीई) एवं भारतीय कंपनी हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लि. के बीच हुआ समझौता साफ संकेत है कि रक्षा क्षेत्र में अमेरिका अब भारत को अहम तकनीक देने को भी तैयार है। यह तकनीक भारतीय सेना के लिए लड़ाकू जेट इंजन बनाने के काम आएगी। अब तक खरीदार एवं विक्रेता के रिश्तों से आगे बढ़ते हुए तकनीक ट्रांसफर तक पहुंचना हमारी विदेशनीति की एक बड़ी उपलब्धि है, और मानी जानी चाहिए। 31 प्रिडेटर ड्रोन की खरीद सहित रक्षा क्षेत्र में हुए कई और सौदों के कारण भविष्य में भारत अपने चीन और पाकिस्तान जैसे पड़ोसी देशों पर बढ़त बनाने में कामयाब होगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब विदेश जाते हैं तो वहां रह रहे भारतवंशी उनका बड़े उत्साह से स्वागत करते हैं। इसका कारण है पिछले कुछ वर्षो में उनका वहां बढ़ा सम्मान। इस सम्मान के साथ–साथ उनकी सुविधाएं भी बढ़ रही हैं। पढ़ाई, नौकरी या व्यवसाय के लिए भारत से अमेरिका जाना आम बात है। इन उद्देश्यों से अमेरिका जानेवाले भारतवंशियों के लिए एच–1बी वीजा का नवीकरण एक बड़ा मुद्दा रहा है। एच–1बी वीजा अमेरिकी कंपनियां अपने विदेशी कर्मचारियों के लिए जारी करती हैं। ये वीजाधारक अपनी पत्नी–बच्चों के साथ अमेरिका में रह सकता है। अमेरिकी सरकार के आंकड़ों के मुताबिक अमेजान, इंफोसिस, टाटा कंसलटेंसी, अल्फाबेट और मेटा कंपनियां एच–1बी वीजा का सबसे ज्यादा इस्तेमाल कर रही हैं। यह वीजा एक बार में तीन साल के लिए ही जारी किया जाता है। फिलहाल, इस वीजा के नवीकरण के लिए किसी दूसरे देश में स्थित अमेरिकी दूतावास की सेवाएं लेनी पड़ती हैं। लेकिन प्रधानमंत्री की इस यात्रा के बाद बाइडन प्रशासन कुशल भारतीय कामगारों को अमेरिका आने और वहां बने रहने में मदद करने के लिए एच–1बी के वीजा नियमों में बदलाव करने जा रहा है। अमेरिका में रहनेवाले हजारों भारतीय अब वहां रहते हुए ही अपने एच–1बी वीजा का नवीकरण करवा सकेंगे। अमेरिकी प्रशासन की नीति में इस बदलाव के बाद यह लाभ भारतीयों के साथ–साथ अन्य देशों के निवासियों को भी मिलेगा। विदेश में रह रहे भारतवंशियों को मिलनेवाली इन्हीं सुविधाओं का नतीजा है कि अनेक देशों में प्रधानमंत्री मोदी अपनी इतनी बड़ी–बड़ी सभाएं कर डालते हैं, जितनी भारत के कई नेता भारत में भी नहीं कर पाते।

अमेरिका के साथ हुए समझौतों से और तेज होगी भारत के विकास की रफ्तार

प्रह्लाद सबनानी

मोदी ने हाल ही में अमेरिका की यात्रा की। इस यात्रा में उन्हें बहुत बड़ी सफलता भी हासिल हुई है। भारतीय प्रधानमंत्री ने अमेरिका में कई बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के कार्यपालन अधिकारियों से उनके द्वारा भारत में निवेश किये जाने के सम्बंध में सीधी बातचीत की है।वित्तीय वर्ष 2022–23 एवं चतुर्थ तिमाही के हाल ही में जारी किए गए भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास सम्बंधी आंकड़ों से यह आभास हुआ है कि भारत में आर्थिक विकास दर उम्मीद से कहीं अधिक रही है। वित्तीय वर्ष 2022–23 में भारत में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत की रही है एवं जनवरी–मार्च 2023 की चौथी तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.1 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ी है। जबकि अक्टूबर–दिसम्बर 2022 की तृतीय तिमाही में आर्थिक विकास दर 4.5 प्रतिशत की रही थी। भारत में आर्थिक विकास दर विभिन्न वित्तीय संस्थाओं द्वारा पूर्व में किए गए अनुमानों से कहीं अधिक रही है। निश्चित ही, वित्तीय वर्ष 2022–23 के आर्थिक विकास सम्बंधी आंकडें बेहद उत्साहजनक रहे हैं। भारत में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर विश्व की अन्य समस्त बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में बेहतर रही है एवं भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ रही अर्थव्यवस्था बनी रही है। भारत ने आर्थिक विकास के मामले में चीन से दुगुनी रफ्तार हासिल कर ली है। भारतीय अर्थव्यवस्था का आकर अब 3.50 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के ऊपर निकल चुका है।हर्ष का विषय यह है कि कृषि के क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2022–23 में विकास दर 4.5 प्रतिशत की रही है जो वित्तीय वर्ष 2021–22 की 3.5 प्रतिशत की विकास दर से कहीं अधिक है। कृषि के क्षेत्र में तेज हो रही आर्थिक विकास दर से सीधे सीधे किसानों को लाभ हो रहा है, ग्रामीण क्षेत्रों के रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं, ग्रामीण इलाकों से शहरों की ओर पलायन कम हो रहा है एवं किसानों की आय में वृद्धि हो रही है, जिससे भारत में उत्पादित होने वाले उत्पादों का एक नया बाजार तैयार हो रहा है। इसी प्रकार सेवा क्षेत्र में भी आर्थिक विकास की दर वित्तीय वर्ष 2022–23 के दौरान 11 प्रतिशत की रही है जो वित्तीय वर्ष 2021–22 की विकास दर 9 प्रतिशत की तुलना में कहीं अधिक है। सेवा क्षेत्र में तेज हो रही विकास दर के चलते शहरी क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर अधिक निर्मित हो रहे हैं। हां, अभी भी विनिर्माण क्षेत्र में विकास की दर को तेज होना शेष है। वर्तमान में देश के सकल घरेलू उत्पाद में उद्योग क्षेत्र का योगदान 17 प्रतिशत है, इसे 24 से 25 प्रतिशत तक आगे ले जाना आवश्यक है। यदि उद्योग क्षेत्र के योगदान को 25 प्रतिशत तक लाने में सफलता हासिल हो जाती है तो देश में भारी भरकम वेतन वाले रोजगार के करोड़ों नए अवसर पैदा हो सकते हैं। इस दृष्टि से ही भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में अमेरिका की यात्रा की है। इस यात्रा में उन्हें बहुत बड़ी सफलता भी हासिल हुई है। भारतीय प्रधानमंत्री ने अमेरिका में कई बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के कार्यपालन अधिकारियों से उनके द्वारा भारत में निवेश किये जाने के सम्बंध में सीधी बातचीत की है। गूगल कम्पनी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुंदर पिचाई ने घोषणा की है कि गूगल कम्पनी भारत में 1,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश करेगी। साथ ही, टेस्ला कम्पनी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एलन मस्क ने भी भारतीय प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद दिए गए अपने एक बयान में बताया है कि उनकी कम्पनी भारी भरकम राशि का निवेश शीघ्र ही भारत में करने जा रही है एवं इस सम्बंध में वे स्वयं भी वर्ष 2024 में भारत की यात्रा करने वाले हैं। अमेरिकी एयरोस्पेस कम्पनी बोईंग ने भी शीघ्र ही भारत में 800 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की घोषणा की है। इस निवेश से भारतीय इन्फ्रास्ट्रक्चर में सुधार और पायलट ट्रेनिंग का काम किया जाएगा। दरअसल, भारत में स्किल्ड पायलटों की मांग लगातार बढ़ रही है और

अगले 20 वर्षों में देश में करीब 31,000 नए पायलटों की आवश्यकता होगी। इस कमी की पूर्ति करने में बोईंग द्वारा किए जा रहे निवेश से भारत को बहुत सहायता मिलेगी। अमेरिकी ई–कामर्स कम्पनी अमेजन के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एंडी जैसी ने भी घोषणा की है कि अमेजन कम्पनी शीघ्र ही भारत में 1,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश करेगी। कम्पनी पहले ही भारत में 1,100 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश कर चुकी है, अब कम्पनी का भारत में कुल निवेश बढ़कर 2,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाएगा।इसी प्रकार, भारत और अमेरिका के बीच जेट इंजन के निर्माण की इकाई स्थापित करने पर भी सहमति बन गई है। इस सम्बंध में भारत की ओर से हिंदुस्तान एयरोनोटिक्स कम्पनी ने एवं अमेरिका की ओर से जनरल इलेक्ट्रिक कम्पनी ने समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किये है। इससे भारत में ही निर्मित हो रहे तेजस विमान के इंजन को भी अपग्रेड किया जा सकेगा। अमेरिका भारत को अतिआधुनिक एवं शक्तिशाली एमक्यू–9बी ड्रोन भी उपलब्ध कराने को तैयार हो गया है। अमेरिका 60,000 भारतीय इंजीनियरों को सेमीकंडकर सुविधा उपलब्ध कराने की दृष्टि से ट्रेनिंग देने के लिए भी सहमत हो गया है। अर्थात, इस सम्बंध में उच्च तकनीकी भारतीय इंजीनियरों को उपलब्ध करायी जाएगी। मैक्रोन नामक कम्पनी भारत में ही ड्रोन निर्माण हेतु एक इकाई की स्थापना भी करने जा रही है, इसके निर्माण पर मैक्रोन कम्पनी द्वारा भारी भरकम राशि का निवेश भारत में किया जाएगा।अमेरिका ने भारतीय स्टील एवं अल्यूमिनियम के आयात पर लगने वाले अतिरिक्त शुल्क को समाप्त करने का निर्णय लिया है। इससे अब अमेरिकी बाजार में भारतीय स्टील और अल्यूमिनियम पहले की तुलना सस्ते हो जाएंगे एवं इससे भारत में निर्मित स्टील उत्पादों की मांग अमेरिकी बाजार में बढ़ जाएगी। भारतीय स्टील उद्योग को इससे बहुत फायदा होने की सम्भावना बन गई है।अमेरिका की विभिन्न कम्पनियों द्वार भारत में किये जाने वाले उक्त वर्णित भारी भरकम राशियों के निवेश से भारत में विनिर्माण क्षेत्र में विकास दर को निश्चित ही बल मिलेगा एवं भारत के कुल सकल उत्पाद में विनिर्माण क्षेत्र की भागीदारी में सुधार होगा।

भारत में जनवरी–मार्च 2023 तिमाही में सकल स्थायी पूंजी निर्माण (जीएफसीएफ) की दर भी उत्साहजनक स्तर 35 प्रतिशत रही है एवं पूरे वित्तीय वर्ष 2022–23 में 29 प्रतिशत रही है। इसका आशय यह है कि भारत में निवेश के क्षेत्र में सुधार दृष्टिगोचर है, जो आगे आने वाले समय के लिए आर्थिक विकास दर को और अधिक तेज करने में सहायक होने जा रहा है। वर्तमान में पूंजी निवेश की दर में वृद्धि केंद्र सरकार द्वारा इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में किए जा रहे भारी भरकम राशि के निवेश के चलते हो रही है परंतु अब चूंकि औद्योगिक इकाईयों की कुल उत्पादन क्षमता का 74 प्रतिशत से अधिक उपयोग होने लगा है अतः अब निजी क्षेत्र की कम्पनियों द्वारा भी भारत में अपने निवेश को बढ़ावा दिया जाएगा, इससे शीघ्र ही सकल स्थायी पूंजी निर्माण की दर में और अधिक सुधार दिखाई देने लगेगा।

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए यह भी एक संतोष का विषय है कि भारत में मानसून पिछले 4–5 वर्षों में लगातार अच्छा बना रहा है एवं इस वर्ष भी भारत में सामान्य बारिश होने की सम्भावना व्यक्त की गई है। भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत होने के कारकों में शामिल हैं, केंद्र सरकार द्वारा आर्थिक क्षेत्र में लागू किए गए विभिन्न सुधार कार्यक्रम, भारत में निवेश के लिए बेहतरीन माहौल तैयार करना, भारत में 130 करोड़ से अधिक नागरिकों का उपभोक्ता बेस उपलब्ध होना अर्थात विशाल घरेलू मार्केट, जिसके चलते भारतीय अर्थव्यवस्था तेज गति से आगे बढ़ती जा रही है। भारत में वस्तु एवं सेवा कर कानून, बैंकिंग क्षेत्र में दिवालियापन कानून एवं उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के लागू करने का भी भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव पड़ता दिखाई दे रहा है। रोजगार के अवसर कृषि क्षेत्र से निकालकर सेवा क्षेत्र एवं उद्योग क्षेत्र में उत्पन्न किए जाने के प्रयास भी युद्ध स्तर पर किए जा रहे हैं, ताकि देश में मानव पूंजी का उचित तरीके से इस्तेमाल किया जा सके।कृषि के अलावा भारत अब रक्षा क्षेत्र एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है एवं उच्च तकनीकी का उपयोग कर निर्मित किए गए उत्पादों के निर्यात में भी तेजी आ रही है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिकी दौरे के दौरान जो समझौते सम्पन्न किए गए हैं, वह सभी क्षेत्र उच्च तकनीकी क्षेत्र के हैं। अब हवाई जहाज के इंजन भी भारत में बनने लगेंगे, जिससे भारत में रक्षा के क्षेत्र में निर्मित कई उत्पादों का निर्यात कई अन्य देशों को किया जाएगा। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि हाल ही में अमेरिका तथा अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कम्पनियों से भारत द्वारा सम्पन्न किए गए कई समझौतों से भारत में अमेरिका से विदेशी निवेश बहुत बढ़ेगा, इससे भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास दर में वृद्धि होगी एवं भारत में रोजगार के भी लाखों नए अवसरों का निर्माण होगा।

हिंसा की सियासत

शंकर जालान

पंचायत राज की स्थापना का सीधा–सीधा मतलब था कि हर वर्ग और हर व्यक्ति को न केवल सरकारी योजनाओं का ज्ञान रहे, बल्कि लाभ भी मिले।इसी बात को ध्यान में रखते हुए पंचायत राज को बढ़ावा दिया गया कि व्यक्ति पंचायत प्रमुख या पंचायत प्रधान के जरिए अपनी दिक्कतों को सरकार तक पहुंचा सके, लेकिन कालक्रम में ज्यों–ज्यों राजनीति में असामाजिक तत्वों का बोलबाला बढ़ा और राजनेताओं के प्रति जनता का विश्वास कम हुआ त्यों–त्यों राजनीति में हिंसा का चलन बढ़ता गया। चाहे कोई नेता हो या दल, चुनाव जीतने के लिए मुद्दों नहीं, मारपीट का सहारा ले रहा है। हिंसक वारदातों को जायज नहीं ठहराया जा सकता। इस मामले में कोई भी राजनीतिक दल पीछे नहीं है। नेता को जीत चाहिए और दल को सत्ता। इसके लिए वह सब कुछ कर गुजरने को तैयार हैं।

ताजा उदाहरण पश्चिम बंगाल का है, जहां अगले महीने (8 जुलाई) त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव होना है, इसके लिए नामांकन और नाम वापस लेने की प्रक्रिया भले ही पूरी यानी रुक गई हो, लेकिन हिंसा रुकने का नाम नहीं ले रही है। सूबे के विभिन्न जिलों से रोजाना हिंसक घटनाएं प्रकाश में आ रही हैं। सरकारी तौर पर सात लोग की मौत हुई है और दर्जनों जख्मी बताए जा रहे, इन घटनाओं पर किस प्रकार अंकुश लगे, इस पर विचार करने की बजाए सभी नेता और दल एक–दूसरे पर आरोप लगाने पर व्यस्त दिख रहे हैं। बंगाल में जिला परिषद, ग्राम पंचायत और पंचायत समितियों के लिए आठ जुलाई को मतदान और 11 जुलाई को मतगणना होगी, लेकिन इसे अचरज कहें या अराजकता कि 12 फीसद यानी नौ हजार से कुछ ज्यादा सीटों पर सभी दलों (तृणमूल, भाजपा, माकपा और कांग्रेस) समेत निर्दलीय ने जीत हासिल कर ली है।इस गणित से यह साफ हो जाता है कि अगले महीने होने वाला त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव कितना निष्पक्ष और शांतिपूर्ण होने वाला है। नामांकन और नाम वापसी की समय–सीमा पूरी होते ही जैसे ही राज्य चुनाव आयोग ने यह बताया कि 9009 सीटों पर निर्दलीय समेत तमाम दलों ने जीत हासिल कर ली है। आम आदमी तो क्या कलकत्ता उच्च न्यायालय में अचंभित रह गया और इस बाबत हलफनामा दायर करने को कहा। विपक्ष शुरू से ही चुनाव में गड़बड़ी की आशंका जताता रहा है, इस बाबत उच्च न्यायालय ने भी विपक्ष की बातों को सही मानते हुए केंद्रीय बलों की तैनाती का आदेश दिया, जिसके खिलाफ राज्य चुनाव आयोग और राज्य सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखाया, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने भी उच्च न्यायालय के आदेश पर मुहर लगाई।अब केंद्रीय बलों के जवान हिंसा पीडिध्त इलाकों का दौरा कर लोगों को यह विश्वास दिलाने की कोशिश कर रहे हैं, आठ जुलाई को निर्भय होकर अपनी मर्जी से अपने पसंदीदा उम्मीदवार को वोट दें, इस बीच तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और राज्य की मुख्यमंत्री डंके की चोट पर कह रही हैं कि चाहे जितने केंद्रीय बल आ जाए, जीत हर हाल में हमारी यानी तृणमूल कांग्रेस की ही होगी।सवाल यह उठता है कि मतदान के पहले ममता इस तरह का दावा कैसे और किस आधार पर कर सकती हैं?उनके दावे में इतना दम है तो फिर केंद्रीय बलों की तैनाती से डर क्यों रही हैं? सूबे में यह पहला मौका नहीं है, जब केंद्रीय बलों की तैनाती में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव होने जा रहे हैं, इससे पहले 2013 में भी पंचायत चुनाव के दौरान भी केंद्रीय बलों की तैनाती हुई थी और तृणमूल कांग्रेस जीती थी।

शायद इस बार ममता अंदर से भयभीत हैं, क्योंकि नाना प्रकार के भ्रष्टाचार के आरोपों में धिरने, सीबीआई व ईडी के जाल में फंसी होने और कांग्रेस व वाममोर्चा की लोकप्रियता में हुई कुछ बढ़ोतरी के कारण तृणमूल खेमे की नींद उड़ी हुई है। इसके अलावा, मुख्य विपक्षी दल भाजपा से मिल रही कड़ी टक्कर मिल रही है।

आगामी 8 जुलाई को 73,887 सीटों के लिए होने वाले मतदान से पहले 9009 उम्मीदवारों ने बिना प्रतिद्वंदिता के निर्विरोध जीत हासिल कर ली। राज्य चुनाव आयोग ने जिलावार ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद के सीटों पर निर्विरोध जीत की सूची जारी की। सूची के तहत ग्राम पंचायत के 63,229 सीटों में से 8,002 उम्मीदवारों ने निर्विरोध जीत हासिल की, जबकी पंचायत समिति के 9,730 सीटों में से 991 उम्मीदवार बिना प्रतिद्वंदिता के जीत गए। जिला परिषद की कुल 928 सीटों में से 16 उम्मीदवारों ने निर्विरोध जीत दर्ज की।

पंचायत समिति में सबसे अधिक दक्षिण चौबीस परगना की 6,383 सीटों में से 1,767 उम्मीदवारों ने निर्विरोध जीत हासिल की। अलीपुरद्वार में सबसे कम 1,252 सीटों में से 8 सीटों पर उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की। पंचायत समिति में भी सबसे अधिक संख्या में जीत दर्ज करने वाले उम्मीदवार भी दक्षिण चौबीस परगना जिले के हैं। जहां 926 पंचायत समिति सीटों पर 233 उम्मीदवारों ने निर्विरोध जीत हासिल की।

कालिम्पांग और पुरु लिया के 76 और 496 सीटों में एक–एक उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की। जिला परिषद में बीरभूम और कूचबिहार की एक–एक सीट, उत्तर चौबीस परगना की 3 सीट, दक्षिण चौबीस परगना की 8 सीट और उत्तर दिनाजपुर की 3 सीट पर उम्मीदवारों ने बिना प्रतिद्वंदिता की जीत हासिल की है।

तेलंगाना विकास मॉडल देश के सामने लाएंगे : हिमांशु

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के राष्ट्रीय महासचिव हिमांशु तिवारी ने कहा कि तेलंगाना विकास का मॉडल हम पूरे देश के सामने लाएंगे। गुजरात के विकास का माडल फेंक मॉडल है। उन्होंने कहा कि अबकी बार किसान सरकार का नारा देकर बीआरएस जनता के बीच एक बदलाव का संदेश देगी।उक्त बातें श्री तिवारी अपने पैतृक जनपद जौनपुर में प्रवास के दौरान पत्रकरो से वार्ता के दौरान कही। बातचीत में उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार की नीतियों के कारण आज राज्य की प्रति व्यक्ति आय तीन लाख रुपये के ऊपर है। जिससे राज्य खुशहाली की तरफ बढ़ रहा है। बीआरएस की सरकार ने हर किसान को पांच लाख रुपये का बीमा किया है। प्रत्येक किसान को फसल उगाने के लिए खाद बीज का दस हजार रुपये पहले ही दिया जाता है। सिंचाई के लिए पानी पर कोई टैक्स नहीं है

किसान को सिंचाई के लिए प्रयोग किए जाने वाले किसी मशीनरी संसाधन पर बिजली का बिल भी मुफ्त है। उन्होंने कहा कि सुखी किसान देश की खुशहाली के लिए वरदान है। हमारी सरकार किसानों को उत्पादन में लागत भी देती है और उसकी पैदावार को अच्छे मूल्य पर खरीदती है। तेलंगाना में आज प्रति व्यक्ति आय अन्य राज्य के मुकाबले सबसे अधिक है। इसका कारण किसानों की खुशहाली है। तेलंगाना सरकार हर दलित परिवार को दस लाख रुपये का अनुदान रोजगार सृजन के लिए देती है। सवर्ण समाज के बच्चों को बीस लाख रुपए लोन शिक्षा के लिए दे रही है। उन्होंने बीआरएस पार्टी के व्यापक विस्तार के बारे में बताया कि अक्टूबर 22 में पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिलने के बाद तेलंगाना के आसपास प्रदेशों में संगठन का विस्तार का काम बहुत तेजी से हो रहा है। विगत बीस दिन में महाराष्ट्र में सदस्यता अभियान में चार लाख से अधिक लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। जिसमें कई पूर्व सांसद एवं विधायक शामिल है। इस राज्य में तीन बड़ी रैलियां भी हुई है। मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ उड़ीसा में पार्टी अपने संगठन विस्तार को मूर्त रूप दे रही है। इन प्रांतों में पूर्व मुख्यमंत्री पूर्व सांसद से लेकर कई वर्तमान विधायक पार्टी के संपर्क में है। जो पार्टी ज्वाइन कर अपनी जिम्मेदारी लेने की तैयारी में है। तेलंगाना में 119 सीटों पर 105 पर हमारी पार्टी के विधायक हैं, और 17 सांसद हैं। इन सब की ताकत के बल पर हम तेलंगाना में विकास एवं खुशहाली लाए हैं। उन्होंने कहा कि आज के राजनीतिक दल अपनी जिम्मेदारियों से भटक गए हैं। बीआरएस इन सब से अलग लाइन पर काम कर रही हैं। जनता के हितों की बात सोचती है। जनता की समस्याओं के समाधान में गुणात्मक परिवर्तन ला रही है। जनता और किसान को बीआरएसके काम पर भरोसा बन रहा है। इसी भरोसे के साथ 2024 लोकसभा में हमारी पार्टी देश मे किसानो की सरकार लाने के लिए पूरी ताकत लगाएगी। राष्ट्रीय महासचिव बीआरएस बनने के बाद हिमांशु तिवारी का प्रथम गृह जनपद आगमन था। बाबतपुर एयरपोर्ट से जनपद सीमा पहुंचने पर उनके तमाम शुभचिंतक मित्रों पार्टी के कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीण जनता ने उनका जलालपुर सिरकोनी एवं जौनपुर नगर में स्वागत किया। तत्पश्चात वह माता शीतला चौकिया धाम में जाकर चौकिया माता का दर्शन किए।

पीड़ित ने मामले की शिकायत एसडीएम और पुलिस से किया

क्राइम रिपोर्टर धनंजय
विश्वकर्मा

जौनपुर । सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के अफलेपुर बाजार में सरकारी नाप के दौरान पुलिस व विपक्ष में नोकझोंक हो गई ।इस दौरान नापकर पत्थर गड्डी भी की गई ,लेकिन दबंगों ने राजस्व कर्मियों को जाते ही वादी पक्ष को धमकी देकर पत्थर उखाड़ ले गए। मामले की शिकायत पीड़ित ने एसडीएम व पुलिस को दी । एसडीएम ने कार्रवाई का निर्देश दिया है। मल्हनी के निवासी मोहम्मद सद्दाम पुत्र इश्तियाक का अफलेपुर बाजार में जमीन है। जिसकी नाप विगत दिनों एसडीएम शाहगंज के आदेश पर कानूनगो रामचंद्र, लेखपाल रमेश बिंद व अन्य राजस्व कर्मियों के साथ कराई गई। मौके पर पुलिस व विपक्ष जमा हो गए और पुलिस व राजस्व कर्मियों से विपक्ष की जमकर नोकझोंक हुई। हालांकि नोकझोंक के दौरान जमीन की नाप कर पत्थर गड्डी भी कराई गई। पत्थर गड्डी करने के बाद राजस्व कर्मी वापस लौट गए ।इसके बाद गोलबंद होकर दबंग पहुंचे और पीड़ित पक्ष मोहम्मद इश्तियाक को तरह–तरह की धमकी देते हुए पत्थर गटड्डी के पत्थर उखाड़ लिया, वाहन पर लादकर लेकर चले गए । इस दौरान मोहम्मद सद्दाम ने रोकने की कोशिश की लेकिन उन्हें भी मारने की धमकी देते हुए चले गए ।मामले की शिकायत मोहम्मद सद्दाम ने एसडीएम शाहगंज से की ।एसडीएम ने कानूनगो से विधिक करवाई करने का आदेश दिया। पीड़ित ने सरायख्वाजा पुलिस को भी तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

पीएम टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत पोषाहार वितरण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान योजना के सफल बनाने का निरंतर प्रयास करते हुए सामाजिक संस्था ठाकुरबाड़ी महिला विकास कल्याण समिति की ओर से गोद लिए गए टीबी मरीजों को सिंगरामऊ स्थित संस्था के मुख्यालय गौरी शंकर मंदिर पर पोषाहार किट का वितरण किया गया । संस्था प्रमुख डॉ अंजू सिंह ने बताया कि सरकार की तरफ से नियमित दवा एवं डीबीटी के साथ– साथ प्रतिमाह पोषाहार वितरण एवं उनका फॉलोअप करने से मरीजों के स्वास्थ्य मे काफी सुधार हुआ है । संस्था द्वारा न्यूट्रीशनल सपोर्ट के साथ–साथ जरूरतमंद टीबी पेशेंट को वोकेशनल सपोर्ट भी दिया जाता रहा है। जिससे काफी युवतियाँ, महिलाएं लाभान्वित हो रही है। प्रधानमंत्री के 2025 तक क्षय उन्मूलन के संकल्प पर बल देते हुए संस्था प्रमुख ने बताया कि जौनपुर के अलावा बिहार में भी गोद लिये गये सभी मरीजो को नियमित रूप से पोषाहार दिया जा रहा है। कार्यक्रम में अति. प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) सिंगरामऊ प्रभारी चिकित्सक डॉ.अभिषेक वर्मा, सीएल निगम, अजय तिवारी, कुमार अनुज सिंह, मंजू सिंह, नेहा सिंह, लालमणि मिश्रा, सत्यजीत मौर्य आदि उपस्थित रहे।

अनुपम शुक्ला बने राष्ट्रीय युवा वाहिनी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। समूचे विश्व में हिन्दू धर्म की वैदिक ध्वजा फहराने वाला

संगठन जिसका एकमात्र लक्ष्य भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाना है। गौमाता एवं सनातन संस्कृति की रक्षा करने वाले संगठन राष्ट्रीय युवा वाहिनी परिवार में अनुपम शुक्ला को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं नेशनल ब्यूरो चीफ राष्ट्रीय युवा वाहिनी शंखनाद न्यूज चौनल जैसे गरिमामय पद की जिम्मेदारी आज परिवार के द्वारा सौंपी गई। इस जिम्मेदारी को सौपते हुए राष्ट्रीय युवा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिंदू देवप्रकाश शुक्ला ने कहा कि हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि अनुपम शुक्ला भारत में सनातन धर्म की रक्षा करते हुए भारत को वैदिक सनातन राष्ट्र बनाने में एक अहम भूमिका निभाएंगे और राष्ट्रीय युवा वाहिनी परिवार में भी अहम भूमिका निभाएंगे। संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रीय युवा वाहिनी हिंदू देवप्रकाश शुक्ला व राष्ट्रीय प्रमुख डॉ श्याम सुंदर पाराशर एवं अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता अभिषेक द्विवेदी व राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष मनोज कुमार पाठक श्री श्री 1008 श्री महामंडलेश्वर श्री कवितादास जी महाराज राष्ट्रीय अध्यक्ष संत प्रकोष्ठ, महिला संत प्रकोष्ठ सहित सभी पदाधिकारियों ने उनके मनोनयन पर बधाई दी है।

ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री गुरु नानक देव जी श्री गुरु सिंह सभा नाका हिंडोला लखनऊ ने किया सम्मानित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री गुरु नानक देव जी नाका हिंडोला लखनऊ में लेफ्टिनेंट पीयूष पाण्डेय गुरुद्वारा साहिब में माथा टेक कर लिया आशीर्वाद, पीयूष को ज्ञानी लखविंदर सिंह, राजेंद्र सिंह,किशन सिंह खालसा,दीपक, रनजीत सिंह एवं गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने सम्मानित किया।लेफ्टिनेंट पीयूष पाण्डेय को श्री गुरू साहिब का सरोपा एवं सम्मानचीन भेंटकर उनके उज्जवल भविष्य की अरदास की। गुरुद्वारा साहब के अध्यक्ष सरदार राजेंद्र सिंह बग्गा जी ने कड़ी मेहनत और सपरिवार के सहयोग से लेफ्टिनेंट पीयूष जी को बधाई दी। सरदार सतपाल सिंह मीत जी ने कहा कि पीयूष जी नई पीढ़ी के लिए वह उदाहरण हैं जोकि एक साधारण परिवार एवं आर्थिक स्थितियों से लड़ते सफल हुए हैं। जिस पर हम सब लखनऊ वासियों को गर्व है।

पीयू कैट ऑनलाइन आवेदन की तिथि 15 जुलाई तक बढ़ी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के परिसर में संचालित पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा (पी. यू. कैट–2023)के ऑनलाइन आवेदन तिथि करने की तिथि 30 जून से बढ़ाकर 15 जुलाई 2023 कर दी गई है। पात्रता परीक्षा के अन्तिम वर्ष में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थी भी आवेदन कर सकते हैं. जिन्हें अपनी पात्रता से सम्बन्धित समस्त अंकपत्र व प्रपत्र काउंसिलिंग के समय प्रस्तुत कराना आवश्यक होगा। इससे सम्बन्धित अन्य महत्वपूर्ण तिथियों, आवेदन शुल्क संचालित विषयों का विवरण एवं उपलब्ध सीटों की विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर उपलब्ध है। उक्त जानकारी विश्वविद्यालय के कुलसचिव कार्यालय से जारी विज्ञप्ति में दी गई है।

व्यापार मंडल ने मनाया दानवीर भामाशाह की जयंती पर कल्याण दिवस

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उद्योग व्यापार मंडल ने राष्ट्र की रक्षा हेतु अपना सर्वस्व धन अर्पित कर देने वाले दानवीर भामाशाह की जयंती जिलाध्यक्ष दिनेश टंडन की अध्यक्षता में श्री राम जानकी मंदिर, अहियापुर मोड़ पर मनाई गई। जिलाध्यक्ष ने सभी व्यापारियों का स्वागत करते हुए दानवीर भामाशाह जी की जयंती की सभी को बधाई दिया। अध्यक्षता करते हुए दिनेश टंडन और नगर अध्यक्ष राधेरमण जायसवाल ने उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को व्यापार मंडल के तरफ से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 26 जून को पूरे प्रदेश में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल ने मुख्यमंत्री जी से प्रत्येक जनपद के मुख्यालय पर ज्ञापन देकर मांग किया था कि दानवीर भामाशाह जी की जयंती 29 जून को व्यापारी दिवस घोषित किया जाए प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री जी ने हम व्यापारियों की मांग को स्वीकार करते हुए व्यापारी समाज को सम्मान देने का कार्य किया है अब प्रत्येक वर्ष 29 जून को व्यापारिक कल्याण दिवस मनाया जाएगा जौनपुर का प्रत्येक व्यापारी आपको ह्दय से धन्यवाद देता है, प्रदेश उपाध्यक्ष सोमेश्वर केसरवानी और प्रदेश उपाध्यक्ष सुभाष अग्रहरि तथा प्रदेश मंत्री महेंद्र सोनकर ने संयुक्त रूप से सभी व्यापारियों को बधाई देते हुए उत्तर प्रदेश सरकार को धन्यवाद ज्ञापित किया और उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष मुकुंद स्वरूप मिश्रा जी तथा सभी प्रदेश पदाधिकारियों को भी बधाई के साथ धन्यवाद दिया, व्यापारी कल्याण दिवस के अवसर पर जिला महामंत्री रामकुमार साहू,नगर महामंत्री मुन्ना लाल अग्रहरी, विजय जायसवाल, रविंदर अग्रहरि, संतोष कुमार साहू, मनोज अग्रहरि,अरविंद जायसवाल, विमल भोजवाल, संजीव साहू, डी.के. अग्रहरि,ज्ञानेंद्र साहू अरुण कपूर, साहेब लाल साहू, विजय गुप्ता, अनिल वर्मा, चंदन गुप्ता, मधुसूदन बैंकर विजय अग्रहरी, अभिषेक सेठ, पंडित भगवती प्रसाद पांडे, मोहम्मद असलम, अर्जुन यादव, गणेश साहू, कार्यक्रम का संचालन मधुसूदन बैंकर ने किया सभी अतिथियों का आभार नगर अध्यक्ष राधेरमण जायसवाल ने व्यक्त किया।

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने लेफ्टिनेंट पीयूष पाण्डेय को किया सम्मानित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कानपुर प्रांत के संगठन मंत्री मेजर बीरेंद्र सिंह तोमर ने लेफ्टिनेंट पीयूष पाण्डेय को सम्मानित किया। साहित्यकार एवं अवकाश प्राप्त सूबेदार मेजर अशोक कुमार मिश्र द्वारा रचित पुस्तक कृष्णायन संजीवनी भेंट की। इस अवसर पर अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के पदाधिकारियों ने बधाई दी। लेफ्टिनेंट पीयूष पाण्डेय की मां प्रज्ञा पाण्डेय, पिता आर एल पाण्डेय को भी सम्मानित करते हुए बधाई दी।

72 हूरें के निर्माताओं ने की सीबीएफसी की आलोचना, कलात्मक स्वतंत्रता के लिए उठाई मांग

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। चारों ओर प्रशंसा पा चुकी राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म 72 हूरें के निर्माताओं ने फिल्म के ट्रेलर लॉन्च पर सेंट्रल बोर्ड फॉर फिल्म सर्टिफिकेशन द्वारा फिल्म के ट्रेलर अस्वीकार करने के कड़ी आलोचना की।

फिल्म के सह–निर्माता अशोक पंडित ने फैसले को कलात्मक भावना के प्रतिकूल और खतरनाक करार देते हुए कहा, षबिना किसी ठोस कारण के ट्रेलर को खारिज करने के सीबीएफसी के अनुचित फैसले से हम बेहद आहत और व्यथित हैं। ऐसे फैसले रचनात्मकता स्वतंत्रता और यथार्थवादी फिल्म निर्माण के की राह में में एक बड़ी चिंता का विषय हैं। हम इसे नजरंदाज नहीं करेंगे और जरूरत पड़ने पर उच्च न्यायालय का दरवाजा भी खटखटाएंगे। इसके अलावा, हम सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय से भी इस मामले में हस्तक्षेप करने और सीबीएफसी के पदाधिकारियों से ट्रेलर खारिज करने के कारणों पर जवाब तलब करने का अनुरोध करेंगे। फिल्म के निर्देशक व दो बार के राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता, संजय पूरन सिंह चौहान, सीबीएफसी के फैसले से काफी आहत हैं और कहते हैं, षफिल्म को सरकार द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है और इसे पहले ही सेंसर प्रमाणपत्र प्राप्त हो चुका है। ट्रेलर उसी फिल्म का सार है, तो सीबीएफसी ने किस आधार पर ट्रेलर को खारिज कर दिया है? उन्होंने कहा, हम सभी से अनुरोध करेंगे कि वे फिल्म देखें और फिर किसी निष्कर्ष पर पहुंचें। फिल्म केवल तथ्य बताती है और निश्चित रूप से न तो किसी धर्म को लक्षित करती है या धार्मिक भावनाओं को आहत करती है। निर्माता गुलाब सिंह तंवर ने कहा कि सीबीएफसी द्वारा की गई अनुचित अस्वीकृति से पूरी टीम को बहुत दुख पहुंचा है, खासकर इसलिए कि अस्वीकृति पूरी तरह से निराधार है। मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि सीबीएफसी ने जो कुछ भी किया है वह सही फैसला नहीं है। एक तरफ, सरकार 72 हूरें की सराहना करती है और इसे राष्ट्रीय सम्मान देती है और दूसरी तरफ सीबीएफसी है जो इसके ट्रेलर को स्वीकार कर देती है। इसके पीछे क्या कारण है यह सीबीएफसी को ही तरीके से पता होंगे कि किस आधार अपर ट्रेलर को अस्वीकार किया गया है। यह भ्रमित करने वाला और बिल्कुल अनुचित फैसला है। निर्माताओं ने इस बात पर भी जोर दिया डाला कि फिल्म का उद्देश महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों को उठाना करना और दर्शकों को इससे संबंधित सार्थक चर्चाओं में शामिल करना है। इस बीच, 72 हूरें का ट्रेलर सोशल मीडिया पर धूम मचा रहा है और सभी इसकी सराहना कर रहे हैं। निर्माताओं की तीखी आलोचनाओं ने सेंसरशिप की भूमिका और कलात्मक रचनाओं के मूल्यांकन में अधिक प्रगतिशील दृष्टिकोण अपनाए जाने की आवश्यकता के बारे में एक बड़ी बहस छेड़ दी है। 72 हूरें संजय पूरन सिंह चौहान द्वारा निर्देशित, गुलाब सिंह तंवर किरण डागर, अनिरुद्ध तंवर द्वारा निर्मित, अशोक पंडित द्वारा सह–निर्मित है। यह फिल्म 7 जुलाई को पूरे भारत में बड़े पैमाने पर रिलीज होगी।

अखिलेश यादव वरासत और विरासत में सत्ता पाए हैं दुबारा आने का सपना छोड़ दे : गिरीश चंद्र यादव

–एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी जी देश के प्रधानमंत्री बनेंगे : गिरीश यादव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर ।मोदी सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में प्रदेश व केंद्र के मंत्रियों विधायकों द्वारा अपने–अपने क्षेत्रों में मोदी सरकार

के 9 साल के कार्यकाल की उपलब्धियां गिना रहे हैं। साथ ही आगामी 2024 में होने वाले चुनाव को लेकर भी ताल ठोकते नजर आ रहे हैं और दावा कर रहे एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी जी देश के प्रधानमंत्री बनेंगे ।इसी क्रम में गुरुवार को राज्य मंत्री गिरीश यादव ने जनपद में केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित तमाम योजनाओं और परियोजनाओं के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुए सरकार द्वारा आम जनता को किस प्रकार लाभान्वित किया जा रहा है किन–किन योजनाओं द्वारा जनता को लाभ पहुंचाया जा रहा है विस्तृत रूप से बताया। उन्होंने कहा कि जनपद में मेडिकल कॉलेज जल्द ही तैयार होकर जनता की सेवा के लिए समर्पित कर दिया जाएगा जिले में जल्द ही सीहीपुर और जगदीशपुर रेलवे क्रोसिंग पर फ्लाईओवर का निर्माण प्रस्तावित है। जिले में लोगों को वृद्धा पेंशन ,विधवा पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, जन धन योजना, दिव्यांग योजना, के तहत लोगों को लाभान्वित किया जा रहा है। सरकार द्वारा लोगों को फ्री में आयुष्मान योजना द्वारा इलाज दिया जा रहा है। किसान सम्मान निधि सुकन्या योजना आदि सरकार की महत्वपूर्ण योजनाएं हैं जिससे जनता को सीधा सीधा लाभ हो रहा है। केंद्र सरकार द्वारा पूरे भारतवर्ष में इस तरह की योजनाएं लागू की गई है। जिले में एसटीपी परियोजना के तहत कार्य चल रहा है जिसमें अब तक की 6 बड़े नाले इस परियोजना से जोड़ा गया है शीघ्र ही और भी बड़े नाले जो सीधे गोमती नदी में गिर रहे हैं उनको जोड़ दिया जाएगा जिससे नदी का पानी साफ हो जाएगा ।इन्वेस्टर समिति पर कार्रवाई चल रही है इसका फ्लोर प्लान तैयार किया जा रहा है जल्द ही उद्योग धंधे जनपद में लगाए जाएंगे। ।इस दौरान पत्रकारों से बात करते हुए राज्यमंत्री गिरीश चंद यादव ने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि अखिलेश यादव वरासत और विरासत में सत्ता पाए हैं। अब इस बात का सपना छोड़ दें कि वह दोबारा सत्ता में आने वाले हैं वो हताश और निराश ब्यक्ति है। जब चुनाव हारते हैं तो ईवीएम पर ठीकरा फोड़ते हैं जब वह जीते हैं तो ईवीएम ठीक है। अभी नगर पालिका और नगर निगम के चुनाव में बैलेट पेपर से हुए चुनाव में हारने के बाद प्रशासन के ऊपर आरोप मढ़ना शुरू कर दिया है ।मंत्री ने दावा किया कि 2024 में पूर्ण बहुमत के साथ प्रधानमंत्री मोदी की एक बार फिर सरकार बनेगी ।उन्होंने कहा 2019 के चुनाव में अखिलेश यादव बुआ बबुआ मिलकर मोदी सरकार को हराने के लिए चुनाव लड़े अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री रहते हुए 2014 में चुनाव हुआ था सत्ता और प्रशासन के हाथ में था तभी हमने 73 सीट जीता था 2017 के चुनाव के उनके मुख्यमंत्री रहते हुए सत्ता इनके हाथ में थी फिर भी हमने गठबंधन से 325 सीट जीता था। उन्होंने बुआ बबुआ सबको इकट्ठा की है हर जगह से मिलाया 2019 में मोदी जी को रोकने के लिए फिर भी हम 66 सीट उत्तर प्रदेश में जीते इनका गढ़ रामपुर आजमगढ़ था उसको भी मैंने जीता है। 2022 में चाचा भतीजा सब मिल गए फिर भी हमने दो तिहाई सीट से बहुमत हासिल किया। जनता उन्हें पूरी तरह से नकार चुकी है उनको जनता का जनादेश स्वीकार करना चाहिए जनता को अखिलेश गुमराह कर रहे हैं।

मजलिस ए तरहीम में होगा पूर्वी यूपी के लोगों का जमावड़ा

मौलाना महफूज उल हसन खान पढ़ेंगे मसाएब

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। शहर के इमामबाड़ा मीर सखावत हुसैन ख्वाजा दोस्त पोस्तीखाना में दो जुलाई को होने वाली मजलिस में पूर्वी यूपी के जिलों से भारी संख्या में लोगों का जमावड़ा होगा। नगर के मोहल्ला ख्वाजा दोस्त निवासी पत्रकार तामीर हसन शीबू के पिता और बड़े भाई के इसाले शवाब की मजलिस ए तरहीम को सफल बनाने के लिए तैयारियां शुरू है। दो जुलाई सुबह 9 बजे से इमामबाड़ा मीर सखावत हुसैन ख्वाजा दोस्त पोस्तीखाना में मजलिस के खास कार्यक्रम को प्रारंभ किया जायेगा। मजलिस की शुरुआत सोजख्वानी से की जाएगी। जिसको अंजाम देंगे शहर के मशहूर सोजखां गौहर अली जैदी, उसके बाद पेशख्वानी रजमी जौनपुरी करेंगे। उसके बाद मजलिस को नासिरिया अरबी कालेज के प्रधानाचार्य मौलाना महफुजूल हसन खां जो फजाएल और मसायब बयान करेंगे। इस मौके पर मजलिस शहर की मशहूर अंजुमन सज्जादिया मुफ्ती मोहल्ला नौहा मातम कर नजराना अकीदत पेश करेंगीं ।सामाजिक कार्यों में अग्रणी रहने वाले पत्रकार तामीर हसन ने मजलिस में अधिक से अधिक संख्या में पहुंच कर मजलिस को सफल बनाएं।

होटल फेयरफील्ड बाय मैरियट में सजा सात शहरों का चाट फेस्टिवल, जश्न शुरू

– होटल फेयरफील्ड बाय मैरियट के सात साल पूरे होने पर सात दिवसीय जश्न की हुई शुरूआत

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। गोमती नगर के विभूति खंड स्थित होटल फेयरफील्ड बाय मैरियट में होटल के 7 साल पूरे होने पर शुक्रवार से सात दिवसीय जश्न की शुरूआत हुई। जिसके तहत चाट फेस्टिवल का शुभारंभ हुआ। यहां सात शहरों के अलग–अलग काउंटर लगे हुए हैं। जनरल मैनेजर सचिन मल्होत्रा ने बताया कि चाट फेस्टिवल में कोलकाता बडा बाजार चाट काउंटर, दिल्ली–6, लखनऊ चाट काउंटर, जयपुरी चाट, बॉम्बे चोपाटी, चेन्नई एक्सप्रेस और पटना सेंट्रल जैसे काउंटर हैं। इसमें उन शहरों के मशहूर चाट काउंटर लगाए गए हैं। फूड एंड बेवरेज मैनेजर जितेन्द्र सिंह का कहना है कि होटल के सात साल पूरे होने पर कई तरह के आकर्षक ऑफर भी रखे गए हैं। बर्थडे या एनीवर्सरी सेलिब्रेट करने पर फूड बिल का सिर्फ 77 फीसदी रूपये ही देना होगा।

6 जुलाई तक चलने वाले इस सेलिब्रेशन में सातों दिन लाइव म्यूजिक, चाट बफेट, ग्लास ऑफ स्पार्कलिंग वाइन या व्हाइट वाइन और बेहतरीन सजावट रहेगी। इससे पूरे होटल में त्योहार जैसी रौनक नजर आ रही है। यह चाट फेस्टीवल 6 जुलाई तक चलेगा ।

कोलकाता के पुचका से लेकर पटना के लिट्टी चोखा तक मिलेगा स्वाद चाट फेस्टिवल के कोलकाता बड़ा बाजार चाट काउंटर में पुचका, गुगनी, आलू चाप, पालक पाटा चाट, सिंगारा, झल मुरही, घोटी गरम, काठी रोल है।

दिल्ली–6 में आलू टिक्की चाट, पराठा, जलेबी, केसर मिल्क, लस्सी, छोले–कुल्चे, दही वडा और लखनऊ चाट काउंटर में लखनवी टिक्की, आलू भाजी के साथ खस्ता कचौरी, काला चना गुगनी व पापडी चाट है। इसी तरह जयपुरी चाट में मिर्ची वडा, कडी, प्याज की कचौरी व कोटा कचौरी और बॉम्बे चोपाटी में पाव भाजी, भेलपूरी, ढोकला, वडा

पाव व मिस्सल पाव रखा गया है। वहीं चेन्नई एक्सप्रेस में कई तरह के डोसा, इडली सांभर, मेधू वडा व उत्तपम और पटना सेंट्रल में लिट्टी चोखा, सत्तू, माठा व प्याज भजिया सजाया गया है।

मूलभूत विकास से कोसो दूर थाना हैदरगंज में स्थित चौबेपुर गांव

सड़क न होने के चलते बारिश के दिनों में लोगों को हो रही परेशानी

अयोध्या।इस समय मोदी व योगी सरकार शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों

में विकास को लेकर कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे है।इस समय कोई ऐसा गांव नहीं जिस गांव में आरसीसी, खड़ंजा मार्ग न बना तथा बिजली पानी की व्यवस्था न हो।वही जिले के थाना हैदरगंज क्षेत्र में स्थित चौबेपुर (जाना बाजार) एक ऐसा गांव जो आज भी विकास से काफी दूर है।1500 सौ से अधिक आबादी वाला यह गांव में न तो निकलने के लिए सड़क है और न सी बिजली की उचित व्यवस्था। सबसे अधिक परेशानी लोगों को बारिश के दिनों में होती है।पक्की सड़क तो छोड़िए आने जाने के लिए कच्ची सड़क तक इस गांव में नहीं है।इस गांव की दशा बारिश के दिनों में खराब हो गई है कि चार पहिया वाहन तो दूर पैदल निकलना भी दूभर हो गया है।इस संबंध में यहां के लोगों जिनमें खासकर श्याम चन्द्र लाल,चंपा देवी, अशोक यादव, अतुल कुमार यादव, पवन श्रीवास्तव,शुभांश कुमार,समर बहादुर यादव,राम कुमार यादव,राम धन यादव, अवधेश पाण्डेय, घनश्याम यादव ने बताया कि यह गंभीर समस्या आज से नहीं बल्कि बहुत पुरानी समस्या है।लोगों ने बताया कि चुनाव के दिनों में संबंधित ग्राम प्रधान, विधायक,सांसद व पदों पर चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी चुनाव से पहले इस गंभीर समस्या को दूर करने का आश्वासन तो दे देते है।परंतु चुनाव जीतने के बाद फिर इस समस्या पर ध्यान नहीं देते हैं।यहां के लोगों ने बताया कि यह गंभीर समस्या अनेक बार संबंधित एक दो नहीं बल्कि कई ग्राम प्रधान से अवगत कराया।परंतु चालीस साल से अधिक हो गए परंतु यह गंभीर समस्या ज्यों की त्यों बनी हुई है।मालूम हो कि इस गांव में पूरे बारिश के दिनों में लोग चार पहिया व दो पहिया वाहन तो दूर पैदल आना भी कतरा रहे है। यहां पर सबसे अधिक परेशानी उस समय ग्रामीणो को उठानी पड़ती है जब किसी के यहां कोई शुभ अशुभ कार्यक्रम का आयोजन होता है।जिसमें यहां पर रहने वाले ग्रामीणों व इस कार्यक्रम में आने वाले लोगों को काफी हद तक परेशानी उठानी पड़ती है।

भीम आर्मी के चीफ चंद्रशेखर पर हमले को लेकर अयोध्या के तिकोनिया पार्क में भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने किया धरना प्रदर्शन

(डॉ अजय तिवारी जिला संबाददाता)

अयोध्या । सिटी मजिस्ट्रेट अरविंद द्विवेदी को सौंपा ज्ञापन, भीम आर्मी के चीफ चंद्रशेखर को जेड प्लस सुरक्षा देने की मांग, हमलावरों को गिरफ्तार कर रासुका लगाने की मांग, मांग पूरी ना होने पर चक्काजाम आंदोलन करेंगे भीम आर्मी के कार्यकर्ता, प्रदर्शन स्थल पर तैनात रही पुलिस।

सकुशल संपन्न हुई ईद उल अजहा बकरीद की नमाज

डॉ अजय तिवारी जिला संबाददाता)

अयोध्या । सिविल लाइन की ईदगाह में शिफ्ट वाइज पढ़ी गई बकरीद की नमाज, टाटशाह मस्जिद के पेश इमाम शमशुल कादरी ने अदा कराई बकरीद की नमाज, जनपद के सभी मस्जिदों ईदगाह में सकुशल संपन्न हुई ईद की नमाज, सिविल लाइन ईदगाह पर जिला प्रशासन व पुलिस

हमले में पूर्व सपा एमएलसी लीलावती व उनकी दोनों पुत्रियां घायल

गंभीर हालत में लीलावती व बड़ी पुत्री ट्रामा सेंटर रेफर

अयोध्या। दूसरों के मामले में हस्तक्षेप करना पूर्व एमएलसी लीलावती कुशवाहा व उनकी पुत्रियों को भारी पड़ा।मालुम हो कि थाना कैंट के कौशलपुरी बाबा का पुरवा में दो लोगों के बीच हुई जमीनी विवाद को सपा नेत्री व उनकी पुत्रियां सुलझाने गई थी।आरोप के मुताबिक इस बीच सपा की पूर्व एमएलसी व सपा महिला मोर्चा की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष लीलावती तथा व उनकी दो पुत्रियों पर जानलेवा हमला बोल दिया।जिसके चलते सपा नेत्री व उनकी पुत्री का सर फट गया।जहां पर पूर्व एमएलसी व उनकी दोनों पुत्रियों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।जहां पर उनका इलाज कर रहे चिकित्सक ने पूर्व एमएलसी लीलावती कुशवाहा व उनकी बड़ी बेटी अलका कुशवाहा को लखनऊ स्थित ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया।जबकि उनकी छोटी बेटी आस्था कुशवाहा का अयोध्या जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक थाना कैंट के के मिश्रा ने बताया कि फिलहाल यह मामला उनके संज्ञान में है।तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जायेगी।

सिख मेधावी छात्रों को किया जाएगा सम्मानित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार राजिंदर सिंह बग्गा ने अवगत कराया कि लखनऊ गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा 90: से ऊपर अंक प्राप्त करने वाले सिक्ख मेधावी छात्रों को दिनांक 30 जून 2023 को गुरुद्वारा सदर कैंट में 4.30 बजे से 6.30 बजे तक सम्मानित किया जाएगा। महासचिव सरदार हरपाल सिंह जग्गी ने बताया कि इस कार्यक्रम के आयोजन का अभिप्राय छात्रों का सामान और मनोबल बढ़ाना है एवं इन मेधावी छात्रों को सिविल सर्विसेज की और प्रेरित करना है। गत कुछ वर्षो में देखा गया है कि हमारी पीढ़ी का आकर्षण प्राइवेट बड़ी कंपनियों की ओर हो गया है। Ðै एवं अन्य सिविल सर्विसेज में कुछ ही सिक्ख समाज से रह गए है।इस कड़ी में लखनऊ गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा गुरुद्वारा सदर के सहयोग से गुरुद्वारा सदर में मासिक कक्षा डा. राजिंदर पाल सिंह पूर्व क्ळच पुलिस द्वारा करा रही है इन छात्रों एप्टीट्यूड टेस्ट एवम कॉउंसलिंग भी गुरुद्वारा सदर में कराई जा रही है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स.इंदरजीत सिंह आई.ए.एस.कमिश्नर नगर निगम एवं डी.जी.पी. सेवानिवृत्त आर.पी.सिंह होंगे।

जल्द चलेगी वंदे भारत, गोरखपुर से लखनऊ

संवाददाता

लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे सीपीआरओ पंकज कुमार सिंह ने कहा कि पूर्वोत्तर रेलवे सुरक्षित यात्रा के लिए कृतसंकल्पित है।जल्द ही ट्रेन से लखनऊ, पाटलिपुत्र और प्रयागराज की यात्रा करने वाले यात्रियों का सफर सुहाना होने वाला है। पूर्वोत्तर रेलवे ने इन तीनों रूट पर वंदे भारत एक्सप्रेस चलाने की अपनी तैयारी शुरू कर दी है। एक सप्ताह के अंदर वंदे भारत एक्सप्रेस की पहली रैक आने की पूरी उम्मीद है। इसके बाद स्पीड ट्रॉयल किया जाएगा। कोचिंग डिपो में ओएचई तार लगाने का काम भी शुरू कर दिया गया है। वांशिग पिट बनकर तैयार हो चुका है। वंदे भारत के लिए पिट पर तार दौड़ाए जा रहे हैं।जानकारी के मुताबिक, तीनों रूटों पर वंदे भारत एक्सप्रेस चलाने के लिए पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन ने रेलवे बोर्ड को प्रस्ताव भेजा है। इन रूटों में गोरखपुर से लखनऊ, पाटलिपुत्र से गोरखपुर वाया लखनऊ, अयोध्या, गोरखपुर से प्रयागराज शामिल हैं। इन रूटों पर यात्रियों की संख्या अधिक है। उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही इस पर मुहर लग सकती है।

विहिप ने कांवड़ यात्रा की सुरक्षा को लेकर ज्ञापन सौंपा

हरदोई।आज विश्व हिंदू परिषद ने शाहाबाद उपजिलाधिकारी धीरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव को कावड़ यात्रा को लेकर ज्ञापन सौंपा। आने वाली 4 जुलाई से को कावड़ यात्रा की शुरुआत होने जा रही है। ऐसे में विश्व हिंदू परिषद शाहाबाद ने उप जिलाधिकारी को 7 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा इस पवित्र सावन मास के दृष्टिकोण से देखते हुए हिंदू समुदाय संगठनों के साथ प्रशासन से भी कुछ अपेक्षाएं हैं ज्ञापन में कावड़ यात्रा के प्रयोग में होने वाले मार्गों पर प्रकाश एवं साफ सफाई की उचित व्यवस्था की जावे। कावड़ यात्रा के पड़ाव स्थलों पर स्वच्छता पेयजल प्रकाश की उचित व्यवस्था की जाए। श्रावण मास के दौरान जनपद मैं मांस मछली आदि की दुकानें बंद रखी जाएं।जनपद में कई स्थान पर अवैध रूप से गौ मांस की बिक्री जारी है जिस पर अभिलंब बंद कराया जाए। कावड़ यात्रियों के साथ–साथ जनपद के मंदिरों पर सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए। गत वर्षो में मार्ग दुर्घटनाओं के कई कावर यात्रा की मृत्यु हो

चुकी है जिस कारण परिवहन विभाग को विशेष रूप से सक्रिय किए जाने की आवश्यकता है। कावर यात्राओं के संबंध में प्रशासन द्वारा सभी विभागों के साथ एक बैठक करके तैयारियों की समीक्षा किए जाने की आवश्यकता है। जिसमें प्रमुख शिव मंदिर के पुजारियों व हिंदू संगठनों के प्रमुख पदाधिकारियों को भी आमंत्रित करने के सुझाव पर विचार करते हुए कार्रवाई की जानी चाहिए। इस पर तत्काल रुप से विचार कर कार्रवाई की जाए इसमें मुख्य रूप से शिवम सिंह अशोक गुप्ता अनिल लाहौरी सोमपाल वर्मा योगेंद्र गुप्ता लकी गुप्ता रोहित बजरंगी मीडिया प्रभारी पंकज भारती संतोष मौर्य शिवम शुक्ला राहुल अभिषेक शर्मा धीरू रितेश श्रीवास्तव गुड्डू वर्मा आयुष सिंह नितिन महेंद्र पाल सिंह प्रमोद सिंह अरुण राहुल कश्यप पंकज भारती अन्य बहुत से कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग को देश का सुंदरतम राजमार्ग बनाया जाय : मंडलायुक्त

(डॉ अजय तिवारी जिला संबाददाता)

अयोध्या । मंडलायुक्त गौरव दयाल की अध्यक्षता में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा 84 कोसी परिक्रमा मार्ग(एनएच 227 बी) के सुधार एवं विकास के कार्यों, जनपद अयोध्या में अयोध्या बाईपास(रिंग रोड) निर्माण हेतु भूमि अर्जन की अद्यतन स्थिति के साथ–साथ अयोध्या लखनऊ राजमार्ग के बाईपास के सौंदर्यीकरणध्अनुरक्षण आदि कार्यो के प्रगति की समीक्षा बैठक आयुक्त कार्यालय सभागार में आहूत की गई।

सर्वप्रथम मंडलायुक्त ने अयोध्या लखनऊ राजमार्ग के बाईपास के सौंदर्यीकरण के कार्यों के प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि बाईपास सौंदर्यीकरण का कार्य 15 जुलाई तक पूर्ण किया जाए।उन्होंने कहा कि इस सौंदर्यीकरण के कार्य में जहां भी सर्विस रोड के साथ फुटपाथ का प्रावधान है उसमें फ्लोर टाइल उच्चतम श्रेणी की लगाई जाए। टाइल व कर्ब स्टोन अच्छे कार्य कुशलता एवम सजावटी पैटर्न के साथ लगाया जाएं तथा रोड के नाले के ऊपर स्लेब ढलाई इतनी सुंदर ढंग से हो कि लोग उसे फुटपाथ के रूप में भी प्रयोग कर सकें। बाईपास एवं इसकी सर्विस रोड की नियमित साफ–सफाई हेतु एनएचएआई आने वाले को व्यय को आगणित कर अयोध्या विकास प्राधिकरण को हस्तांतरित करते हुए साफ सफाई सुनिश्चित कराएं। मंडलायुक्त ने कहा कि बाईपास की मिडियन जगह जगह टूटी फूटी है जो नियमित नही है उसे सही कराया जाय तथा मीडियन में जो सजावटी पौधे लगाए गए हैं उनकी नियमित देखभाल की जाए। इसके लिए इसे चौनेज वाइज बांट कर प्रत्येक चौनेज हेतु एक डेडीकेटेड माली तैनात करते हुए उनका बेहतर ढंग से रखरखाव किया जाए। उन्होंने कहा कि स्ट्रीट लाइट सहित अन्य कार्यों हेतु जो विद्युत कनेक्शन की आवश्यकता है उसे विद्युत विभाग से समन्वय करते हुए कनेक्शन की प्रक्रिया पूरी करते हुए एक सप्ताह के भीतर सभी पोलो को उर्जित किया जाए। मंडलायुक्त ने कहा कि बाईपास के अण्डरपासो यथा सहादतगंज,रायबरेली, सुल्तानपुर, अंबेडकरनगर अंडर पास में जो फव्वारे व मूर्तियां स्थापित की गई हैं उनको वॉर्म लाइट लगाकर बेहतर ढंग से सजाया जाए जो देखने में आकर्षक लगे। इसके अतिरिक्त उन्होंने कहा कि बाराबंकी से अयोध्या तक कई स्थानों पर मार्ग में गड्ढे हो गए उन्हें भी दुरुस्त कराने की आवश्यकता है जिससे इस मार्ग को भारत की सुंदर तम राजमार्गों में से एक बनाया जा सके। जिस पर एनएचएआई के पी0डी0 श्री सौरभ चौरसिया द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त मार्ग में गड्ढे भरने आदि का कार्य नियमित चल रहा है। इसके अतिरिक्त इस मार्ग को और बेहतर बनाने हेतु प्रस्ताव मंत्रालय को प्रेषित किया जा चुका है जिसमें संभवत इस वर्ष के सितंबर माह तक कार्य भी प्रारंभ हो जाएगा।

इसके पश्चात मंडलायुक्त ने 84 कोसी परिक्रमा मार्ग के सुधार एवं विकास के कार्यों तथा अयोध्या बाईपास (रिंग रोड)के भूमि अर्जन के अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की ।इसके संबंध में संबंधित अधिकारियों द्वारा बताया गया कि अयोध्या रिंग रोड के अंतर्गत कुल 35 ग्रामों का अभिनिर्णयध्अवार्ड घोषित किया जाना अपेक्षित है जिसमें से 33 ग्रामों का अभिनिर्णय घोषित किया जा चुका है तथा 2 ग्राम सरायरासी मांझा वह रामपुर हलवारा मांझा के भू नक्शे से संबंधित समस्याओं के कारण अवार्ड घोषित नहीं किया जा सका है। जिस पर मंडलायुक्त ने सहायक अभिलेख अधिकारी अयोध्या को निर्देशित किया कि वह तत्काल स्वयं संबंधित तहसील की टीम एवं चकबंदी विभाग व एनएचएआई के प्रतिनिधि के साथ मौके पर जाकर जो भी समस्याएं आ रही है उसका निराकरण कराए। मंडलायुक्त ने कहा कि इस रिंग रोड निर्माण में मुख्य कैरेज वे की जद में आने वाले पेड़ों के अलावा अन्य किसी पेड़ को ना काटा जाए तथा ज्यादा से ज्यादा पेड़ों को बचाने का प्रयास किया जाए।

84 कोसी परिक्रमा मार्ग के विकास की अद्यतन स्थिति की जानकारी देते हुए अधिकारियों द्वारा बताया गया कि इस कार्य को करने के लिए 84 कोसी परिक्रमा मार्ग को कुल 06 पैकेजो में बांटा गया है जिसमें पैकेज 01 जनपद बस्ती,पैकेज 02 जनपद बस्ती व अयोध्या, पैकेज 03 जनपद अंबेडकरनगर व अयोध्या,पैकेज 04 जनपद अयोध्या,पैकेज 05 बाराबंकी व गोंडा,पैकेज 06 जनपद गोंडा के ग्रामों,जो परिक्रमा मार्ग पर स्थित है,से संबंधित है। मंडलायुक्त ने परिक्रमा मार्ग से संबंधित सभी जनपदों के भूमि अध्याप्ति अधिकारियों से कहा कि भूमि अर्जन संबंधित सभी कार्य प्राथमिकता पर किए जाए तथा सर्वे के दौरान ही प्रभावित भू स्वामियों से बैंक खाता संबंधी सभी डिटेल प्राप्त करते हुए मुआवजे की धनराशि का वितरण तत्काल सुनिश्चित कराया जाय।

बैठक में जिलाधिकारी श्री नितीश कुमार, एनएचएआई उत्तर प्रदेश पूर्वी के सलाहकार श्री मणिप्रसाद मिश्र,ए डी एम(एलए)अयोध्या श्री प्रभाकांत अवस्थी सहित सभी सम्बन्धित जनपदों के भूमि अध्याप्ति अधिकारीगण, डी एफ ओ अयोध्या,बाराबंकी,गोंडा,पी डी एनएचएआई श्री सौरभ चौरसिया सहित एनएचएआई के सभी अभियंतागण एवम अन्य सबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जल शक्ति मंत्री ने कहा, तीन माह में सभी एसटीपी चालू कराएं

संवाददाता

लखनऊ। कुंभ मेले से पहले गंगा को पूर्णत स्वच्छ व निर्मल बनाने की मुहिम चल रही है। इसके लिए बनाई गई कार्ययोजना पर अधिकारियों के साथ जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने मंथन किया।वर्ष–2025 में होने वाले प्रयागराज कुंभ की तैयारियों के लिए सिंचाई विभाग ने कमर कस ली है। इस बाबत पूरी कार्ययोजना तैयार की गई है। जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा है कि खास तौर पर गंगा व उसकी सहायक नदियों में गिरने वाला दूषित जल रोकना होगा। इसके लिए तीन माह में सभी एसटीपी या दूसरे संयंत्र चालू कर दिए जाएं। सभी संबंधित विभागों से इसमें समन्वय स्थापित किया जाए।कुंभ मेले से पहले गंगा को पूर्णत स्वच्छ व निर्मल बनाने की मुहिम चल रही है। इसके लिए बनाई गई कार्ययोजना पर अधिकारियों के साथ जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने मंथन किया। इस मौके पर गंगा एवं उसकी सहायक नदियों में प्रदूषण की रोकथाम के लिए विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे प्रयासों एवं भविष्य की कार्ययोजना पर चर्चा की गई। राज्य स्वच्छ गंगा मिशन ने प्रस्तुतिकरण दिया जिसमें विभिन्न विभागों के माध्यम से संचालित किए जा रहे एसटीपी व सीईटीपी की वर्तमान स्थिति बताई गई।बताया गया कि सीवेज उत्सर्जन, उत्प्रवाह के सापेक्ष पर्याप्त संख्या में एसटीपी या निर्माणाधीन है। कुछ की टेंडर एवं डीपीआर अनुमोदन की प्रक्रिया में है। गंगा नदी में प्रदूषण की पहले से कम हुआ है। गंगा पोल्यूशन स्ट्रेच प्रयोरिटी चौथे से अब पांचवी में पहुँच गई है। जिन एसटीपी में मानक पूरे नहीं हुए उन पर दोबारा बदले डिजाइन आधारित संयंत्र बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।बैठक में कहा गया कि प्रदूषण विभाग यदि और गंभीरता से निगरानी करे तो प्रदूषण पर तगड़ी लगाम लग सकती है। जल शक्ति मंत्री ने कहा कि उत्प्रवाह की सतत निगरानी करते रहें। सभी परियोजनाओं को विभिन्न विभाग समय से पूरा किया जाए। नमामि गंगे के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने निर्देश दिए कि राज्य स्वच्छ गंगा मिशन के तहत नियमित रूप से एसटीपी व औद्योगिक इकाईयों के इनलेट और आउटलेट की जांच होनी ही चाहिए। परियोजना निदेशक डा. बलकार सिंह ने बताया कि हिंडन बेसिन में गिर रहे सभी नालों को टैप करने की परियोजना स्वीकृत की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रदेश में 75 जिला गंगा समितियों का गठन किया जा चुका है।

सोनेलाल की जयंती के आयोजन को लेकर सियासी घमासान, एलडीए ने पल्लवी पटेल के आवेदन को किया निरस्त

संवाददाता

लखनऊ। अपना दल (एस) की ओर से हर साल दो जुलाई को इंदिरागांधी प्रतिष्ठान में ही सोनेलाल पटेल की जयंती समारोह का आयोजन किया जाता है। इस बार के कार्यक्रम में केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत भाजपा के भी बड़े नेता शामिल हो रहे हैं।अपना दल के संस्थापक डॉ. सोनेलाल पटेल की जयंती के अवसर एक ही स्थान पर दो जुलाई को कार्यक्रम के आयोजन को लेकर उनकी दो बोटियों के बीच सियासी घमासान की स्थिति बन गई है। हर साल की तरह तरह अपना दल (एस) की अध्यक्ष व केन्द्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने जहां पहले से ही लखनऊ के इंदिरागांधी प्रतिष्ठान की बुकिंग करा रखी है। वहीं दूसरी ओर पटेल की दूसरी बेटी और सपा विधायक पल्लवी पटेल भी इसी स्थान के एक हॉल में कार्यक्रम कराने के लि बुकिंग कराने का आवेदन कर रखा है। हालांकि पुलिस से अनुमति न मिलने की वजह से पल्लवी के आवेदन को एलडीए प्रशासन निरस्त कर दिया है। बता दें कि अपना दल (एस) की ओर से हर साल दो जुलाई को इंदिरागांधी प्रतिष्ठान में ही सोनेलाल पटेल की जयंती समारोह का आयोजन किया जाता है। इसी कड़ी में पार्टी ने इस साल भी इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में बुकिंग करा रखी है । इस बार के कार्यक्रम में केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत भाजपा के भी बड़े नेता शामिल हो रहे हैं।

अपना दल (एस) का कार्यक्रम तय होने के बाद अब सपा विधायक पल्लवी पटेल ने भी इंदिरागांधी प्रतिष्ठान में ही जयंती कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए मार्श हॉल को बुक करने के लिए आवेदन किया है।चूंकि अपना दल (एस) का कार्यक्रम बहुत पहले ही तय हो गया था और गृहमंत्री और मुख्यमंत्री के आने के कार्यक्रम भी तय हो चुके हैं। इसके बावजूद पल्लवी पटेल द्वारा हॉल बुक कराने का अनुरोध करना प्रशासन को पेशोपेश में डाल रखा है। हालांकि एलडीए प्रशासन से पुलिस द्वारा कार्यक्रम करने की अनुमति न दिए जाने के आधार पर पल्लवी के आवेदन को निरस्त कर दिया है। ऐसी स्थिति में दोनो पक्षों में एक दूसरे के खिलाफ आरोप–प्रत्यारोप शुरू हो गए हैं।सरकारी भवन नहीं तो सड़क पर मनाएंगे सोनेलाल पटेल की जयंती रू पंकज निरंजन अपना दल कमेरावादी के महासचिव पंकज निरंजन का कहना है कि अगर हमको सरकारी भवन में सोनेलाल पटेल की जयंती नहीं मनाने दी जाएगी, तो हम सड़क पर कार्यक्रम का आयोजन करेंगे। उन्होंने कहा हमारे इस कार्यक्रम का उद्देश्य जातिवार जनगणना के मुद्दे पर विचार–विमर्श करके पिछड़ा वर्ग के अधिकारों के लिए आवाज उठाना है। कोई भी ताकत हमें इस आयोजन करने से नहीं रोक सकती। उनका कहना है कि एलडीए ने बुधवार की रात मौखिक तौर पर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान की बुकिंग रद करने की सूचना दी थी । जबकि एलडीए का कहना है कि पुलिस ने अनापत्ति प्रमाणपत्र नहीं दिया, इसलिए बुकिंग रद्द की गई है।पंकज निरंजन का कहना है कि पुलिस की एनओसी के लिए पहले ही आवेदन कर दिया था। अभी कार्यक्रम होने में कई दिन थे, तब तक हम एनओसी उपलब्ध कराने का प्रयास करते, लेकिन उससे पहले ही कमेरावादी के कार्यक्रम से डरकर भाजपा सरकार के इशारे पर हमारी बुकिंग रद्द कर दी गई, जबकि पुलिस ने इस बारे में हमें कुछ नहीं बताया। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के प्रोटोकॉल के तहत कार्यक्रम की सूचना भी जिला प्रशासन को पहुंच गई थी। हम इस अन्याय को चुपचाप बर्दाश्त करने की बजाय लगातार सड़क पर संघर्ष करेंगे वही, अपना दल (एस) के कार्यकारी अध्यक्ष आशीष पटेल का कहना है उनकी पार्टी द्वारा इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान की बुकिंग के लिए 31 मई को ही आवेदन दिया गया था। 14 जून को स्वीकृति मिल गई थी। उनका कहना है कि अपना दल कमेरावादी की ओर से अपना दल एस के द्वारा इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजन की जानकारी के बाद उसी प्रतिष्ठान में आयोजन के लिए आवेदन दिया गया। पिछले साल भी अपना दल कमेरावादी की ओर से यही शरारत की गई थी। आशीष ने कहा कि दरअसल इनकी डॉक्टर सोनेलाल पटेल की विचारधारा और नीतियों में कोई आस्था नहीं है। यही कारण है कि डॉक्टर साहब के जन्म दिवस सहित दूसरे कार्यक्रमों में ये बिना वजह विवाद खड़ा कर सस्ती लोकप्रियता हासिल करना चाहते हैं। इनकी डॉक्टर साहब की नीतियों और विचारधारा में आस्था होती तो अपनी पार्टी की जगह कभी कांग्रेस तो कभी समाजवादी पार्टी के टिकट पर चुनाव नहीं लड़ते। उन्होंने कहा कि इस बार इस पूरी साजिश में समाजवादी पार्टी भी शामिल है। साफ लगता है कि समाजवादी पार्टी के इशारे पर डॉक्टर साहब के जन्मदिवस जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम में विवाद पैदा करने की साजिश हो रही है। उन्होंने कहा कि अगर अपना दल कमेरावादी ने अपना दल एस के बाद बुकिंग के लिए आवेदन किया है तो इसका मतलब साफ है कि ये बिना वजह विवाद खड़ा करना चाहते हैं।

नृपेंद्र मिश्रा ने किया निरीक्षणय नवंबर तक काम पूरा करने का निर्देश

संवाददाता

लखनऊ। अयोध्या में श्री राम मंदिर निर्माण समिति की बैठक हुई। बैठक के बाद मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष निर्पेन्द्र मिश्रा ने मंदिर निर्माण की प्रगति देखी।अयोध्या में श्री राम मंदिर निर्माण समिति की बैठक बृहस्पतिवार को शुरू हुई। बैठक से पहले मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष निर्पेन्द्र मिश्रा ने मंदिर निर्माण के लिए चल रहे कार्यों सहित सभी 10 योजनाओं की भौतिक प्रगति देखी। उन्होंने नवंबर तक सभी काम पूरा करने का निर्देश दिया।

सर्पदंश से फर्श पर सो रही दो बच्चियों की हुई मौत,मातम

सुलतानपुर। कोतवाली कादीपुर अंतर्गत खोजापुर ग्राम सभा की श्रीकृष्ण दुबे की दो बच्चियों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। दोनों बच्चियों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कादीपुर लाया गया।

जहां 8 साल की बच्ची को चिकित्सकों ने कादीपुर में मृत घोषित कर दिया और दूसरी बड़ी बच्ची को जिसकी उम्र लगभग 14 वर्ष है उसको जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया । इलाज के दौरान चिकित्सकों ने उसे भी मृत पुर लाया गया। जहां 8 साल की बच्ची को चिकित्सकों ने कादीपुर में मृत घोषित कर दिया और दूसरी बड़ी बच्ची को जिसकी उम्र लगभग 14 वर्ष है उसको जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया । इलाज के दौरान चिकित्सकों ने उसे भी मृत घोषित कर दिया। घर और गांव में शोक की लहर,परिवार में कोहराम मच गया है। कोतवाल रविकुमार सिंह ने बताया कि सर्पदंश से दोनों बच्चियों की मौत होने की बात सामने आई है।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24 / 234 / 2019 / R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।